

सैकड़ों परिवारों ने की धर्मवापसी

विधि विधान से यज्ञ-हवन कर ली सनातन धर्म की दीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पूर्णिया। सीमांचल क्षेत्र में धर्मांतरण के बढ़ते मामलों के बीच पूर्णिया जिले के बनमनखी से एक बड़ी खबर सामने आई है। क्रिसमस के अवसर पर यहां 100 से अधिक परिवारों ने ईसाई धर्म का त्याग कर पुनः सनातन धर्म में घर वापसी की। यह सामूहिक धार्मिक कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के बैनर तले आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बायसी प्रखंड के कई गांवों से आए लोगों ने विधि-विधान से यज्ञ-हवन कर सनातन धर्म की दीक्षा ली। घर वापसी करने वाले परिवारों का आरोप है कि उन्हें पहले पादरियों द्वारा तरह-तरह के प्रलोभन

अरवल में 37 आहर-पईनों का होगा जीणोद्धार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता अरवल। किसानों के खेतों में पानी पहुंचाने के लिए जिले के बड़े आहर-पोखर और पईन का जीर्णोद्धार किया जाएगा। लघु सिंचाई विभाग ने इसकी योजना तैयार की है। आहर-पईन को उड़ाही से किसानों को सिंचाई के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिले के कुल 37 आहर का जीर्णोद्धार विभाग द्वारा कराया जाएगा। सात परियोजनाएं निविदा की प्रक्रिया में है।सात परियोजनाओं पर लगभग 25 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सभी आहर-पईन के सर्वे का काम पूरा हो गया है। पईनों में जहां पर जस्तूरत होंगी, पुलिया का भी निर्माण किया जाएगा। अभी खेतों तक पानी नहीं पहुंचने के कारण किसानों को मोटर पंप से फसल की सिंचाई करनी पड़ती है। आहर-पोखर और पईन के जीर्णोद्धार का काम पूरा होने पर किसान आसानी से खेत पटवन कर सकेंगे। जिले के अरवल, कलेरू व करपी प्रखंड क्षेत्र में आहर-पईन का जीर्णोद्धार किया जाना है।अरवल प्रखंड के निरसपुरा से

प्रधान सचिव ने की राजस्व विभाग की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता अररिया। प्रधान सचिव, सी के अनिल भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग, बिहार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित परमान सभागार में राजस्व विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं निधारित पैरामीटरों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत जिलाधिकारी विनोद दूहन द्वारा प्रधान सचिव के स्वागत संबोधन से हुई। बैठक में अररिया जिला अंतर्गत संचालित विभिन्न भू-अर्जन परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। इस क्रम में प्रधान सचिव द्वारा भू-अर्जन से संबंधित सभी पुराने लॉबित भूगतान यथाशीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अररिया-गलपलिया रेल लाइन, अररिया-सुपौल नई रेल लाइन, गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे, अनुमंडल व्यवहार न्यायालय फारबिसगंज तक पहुँच पथ, आरओबी फारबिसगंज सहित अन्य परियोजनाओं की क्रमवार समीक्षा की गई।

वीआइपी सुप्रीमो ने सरकार पर बोला हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। पूर्व मंत्री व वीआइपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने सरकार पर जोरदार हमला किया है। इस क्रम में उन्होंने नीतीश कुमार को लेकर विवादित बयान भी दे दिया। मीडिया से बातचीत में सहनी ने कहा कि बिहार सरकार के पास पैसा नहीं है कि अपने कर्मचारियों को वेतन दे। अभी सीएम नीतीश कुमार गए थे गृह मंत्री अमित शाह के सामने कटोरा लेकर कि कुछ मदद कर दीजिए। वे मदद नहीं करेंगे तो बहुत से कर्मी नया साल नहीं मना पाएंगे। क्योंकि बिहार सरकार के पास पैसे नहीं है। तनखाह नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को जो काम करना चाहिए, वह तो कर नहीं रही। इनके पास काम का विजन नहीं है। जिससे राज्य के लोगों को कोई मतलब नहीं, वही काम कर रही है। ठंड के मौसम में लोगों को बेघर किया जा रहा है। सबने देखा कि किस तरह से बुलडोजर चलाया

तीन बच्चों सहित विवाहिता का अपहरण

मां की बीमारी का संदेशा लेकर आया था मायके का पड़ोसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता हाजीपुर। स्थानीय गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र स्थित ससुराल से तीन बच्चों की मां को उसके मायके से आए युवक ने उसकी मां की तबीयत खराब होने का बहाना कर उसके बच्चों के साथ ले जाकर अपहरण कर लिया। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार महनार थाना क्षेत्र की 29 वर्षीय विवाहिता अपने पति और तीन बच्चों के साथ गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहती है। उसके पति दुकान चलाता है। जब उसके पति दुकान पर था। इसी दौरान उसके मायके के निकट के समस्तीपुर जिले के पटोरी थाना

समारोहपूर्वक मनाई गई समाजवादी नेता परशुराम सिंह की पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता टिकारी। प्रखंड अंतर्गत चैता ग्राम में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजवादी नेता परशुराम सिंह की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति समारोह सह निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण से हुई। उपस्थित जनसमूह ने परशुराम सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। शिविर का उद्घाटन अनुमंडलीय चिकित्सालय, टिकारी के प्रभारी चिकित्सक डॉ. विश्वमूर्ति मिश्रा एवं डॉ. सरोज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में डॉ. अमित नारायण रघु, डॉ. गोपाल कृष्ण, डॉ. आनंद कुमार एवं डॉ. असलम ने सैकड़ों मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। स्मृति समारोह का उद्देश्य परशुराम सिंह के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना रहा। वक्ताओं ने उन्हें एक क्रांतिकारी विचारक, समाज सुधारक एवं जननायक के रूप में याद किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अजय दांगी ने कहा कि वे परशुराम सिंह के पदचिह्नों पर चलते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयत्न करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शिव वचन यादव, पूर्व जिला पार्षद सतेन्द्र नारायण, प्रो. मुन्द्रका प्रसाद नायक, जिला पार्षद सुरेश यादव, राम लखन भगत, ललन सिंह, नागेन्द्र



सिंह, शिक्षाविद अबरार आलम, किशोर यादव, विवेकानंद मिशन स्कूल के निदेशक मुकेश सिंह, बीपीएन ग्लोबल स्कूल के निदेशक नामित राजा, हैप्पी किड्स स्कूल के निदेशक संजय अथर्व, अशोक स्वर्णकार,प्रभात रंजन, ललन सिंह, सतीश सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता उनके पुत्र मुत्तुयंज सिंह, संचालन हिमांशु शेखर तथा धन्यवाद ज्ञापन उनके पुत्र राधे सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा निधन एवं जस्तूरतमंद लोगों के बीच सैकड़ों कंबलों का वितरण किया गया।

युवक को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बिहारशरीफ। जिले में दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। राहुई थाना क्षेत्र के सोहसराय हार्ट के समीप स्थित एक भिक्सर प्लांट के पास चार पहिया वाहन से आए बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मारकर गंभीर रूप से जखमी कर दिया। इस घटना में बिहार थाना क्षेत्र के इमादपुर मोहल्ला निवासी स्वर्गीय राम प्रसाद के 45 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार घायल हो गए। गोली उनके कमर में लगी है। घायल को पहले मॉडल अस्पताल, बिहार शरीफ में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

घायल के परिजन धनंजय कुमार यादव ने बताया कि राजेश कुमार भिक्सर प्लांट में अन्य लोगों के साथ अलाव राह थे थे। इसी दौरान प्लांट के पास एक फोर व्हीलर वाहन आकर रुका। प्लांट में मौजूद सौ नु नामक युवक वहां देखने गया, जहां वाहन सवार बदमाशों ने पहले उससे कुछ पूछछाछ की और फिर अचानक उस पर हमला कर दिया।

हाथियों की हो रही मौतों से राजकीय पशु विलुप्त होने के कगार पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रांची। खनन, सड़क-रेल परियोजनाओं, बिजली लाइनों और जंगलों के तेजी से खंडित होते भूगोल के बीच झारखंड में मानव-हाथी संघर्ष अब केवल वन्यजीव संरक्षण का नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिस्थितिक और मानवीय संकट का रूप ले चुका है। राज्य के कोल्हान और सारंडा अंचल से लेकर रांची, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला तक हाथियों की तड़प-तड़प कर हो रही मौतें यह सवाल खड़ा कर रही हैं कि क्या विकास की दौड़ में झारखंड अपने राजकीय पशु को खोने की कगार पर खड़ा है। भारतीय वन्यजीव संस्थान और भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की प्रोजेक्ट एलॉफंट के अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2000 से 2023 के बीच झारखंड में कुल 225 हाथियों की मौत दर्ज की गई। इनमें 152 मौतें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मानव-जनित कारणों से हुईं, जबकि 73 मौतें प्राकृतिक कारणों से बताई गईं। इसी अवधि में हाथियों के हमलों में 1,340 लोगों की जान गई और लगभग 400 लोग घायल हुए। यह स्पष्ट करता है कि यह संघर्ष केवल वन्यजीवों तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी समाज के लिए भी

डोम अधिकार मोर्चा ने किया लोकगायक रामेश्वर गोप को सम्मानित

1914 में महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा संपादित सरस्वती पत्रिका में प्रकाशित हुई थी हीरा डोम की रचना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रसूलपुर। चर्चित हीरा डोम की रचना गायन के लिए सारण जिले के लोकगायक सह शिक्षक रामेश्वर गोप को सम्मानित किया गया है। भारतीय डोम अधिकार मोर्चा पटना के अध्यक्ष अनिल मल्लिक,ललन बांसफोर ,मनोज राम ने गायक गोप के गांव एकमा प्रखंड के माधोपुर में पहुंच शाल व बाबा साहब के तैल चित्र देकर सम्मानित किया।मोर्चा के युवा अध्यक्ष अनिल ने कहा कि उनके समाज के बहुत से लोगों को यह नहीं मालूम था कि हीरा डोम कौन थे।पर सोशल मीडिया पर हीरा डोम की रचना गायन वायरल होने पर उनका समाज काफी प्रभावित हुआ और उनके नाम पर बांसफोर समुदाय के सामाजिक व शैक्षणिक विकास के उत्थान के लिए संस्था भी खोला है।मोर्चा के



सदस्यों ने यूपी के बलिया निवासी प्राध्यापक डा अमित भूषण दुबे के प्रति भी कृतज्ञता जाहिर की जिनकी बंदौलत हीरा डोम के गीत पर आधारित एल्बम निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।मालूम हो कि महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्पादित सरस्वती पत्रिका में 1914 में प्रकाशित हीरा डोम की रचना 'हमनी के रात-दिन दुखवा भोगता बानी हमनी के साहब से मिलती सुनाबि' का स्वर देकर लोकगायक रामेश्वर गोप ने सोशल मीडिया पर डाला था जो काफी वायरल हुआ था।ग्रामीण परिवेश में इस गीत के फिल्मांकन को काफी लोगों ने पसंद की थी।

मुठभेड़ में जखमी आरोपित मो. इस्माइल गिरफ्तार

थावे मंदिर से चोरी गए सोने के मुकट का हिस्सा बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गोपालगंज। बिहार के प्रसिद्ध शक्तिपीठ थावे दुर्गा मंदिर में हुई चोरी के मामले में गोपालगंज पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी इस्माइल आलम को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी थावे थाना क्षेत्र के रिखई टोला के पास छिपे हुए हैं। जैसे ही पुलिस टीम ने वहां छापेमारी की, बदमाशों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाई, जिसमें आरोपी इस्माइल आलम घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने महत्वपूर्ण

साक्ष्य और सामान बरामद किया, जिसमें मां दुर्गा के मुकुट के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी इस्माइल आलम, जो भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र का निवासी है, ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। अपने बयान में उसने चोरी में शामिल पूरे गैंग के सदस्यों के नाम और चोरी किए गए आभूषणों के ठिकाने की जानकारी पुलिस को दे दी।

इस मामले में गोपालगंज के एसपी अवधेश दीक्षित ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी लगातार इस मामले पर काम कर रही थी। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही गैंग के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और चोरी गए शेष आभूषण भी बरामद कर लिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि मामले के पूर्ण उद्घेदन के बेहद करीब पहुंचा गया है।

सेक्सटॉर्शन करने वाले साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़, चार धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एस्कॉर्ट सेवा के नाम पर देशभर में ऑनलाइन ठगी और ब्लैकमेलिंग (सेक्सटॉर्शन) करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में मुफसिल थाना क्षेत्र के नूनन नगर से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को 25 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि नूनननगर इलाके में कुछ युवक फर्जी वेबसाइटों और मोबाइल नंबरों के माध्यम से एस्कॉर्ट सेवा का विज्ञापन देकर लोगों को झांसे में ले रहे हैं और यूपीआई तथा अन्य डिजिटल माध्यमों से धन की ठगी कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर अमित आनन्द

के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी के दौरान पुलिस टीम ने नूनन नगर के पास चार युवकों को संदिग्ध गतिविधियों में सलिलप पाया। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे, लेकिन त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी को पकड़ लिया गया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपना नाम विवेक कुमार, बादल मंडल, दीपक मंडल और शेखर कुमार बताया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड, 12 विभिन्न बैंकों के डेबिट कार्ड, 5 पैन कार्ड तथा साइबर ठगी से जुड़े कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, इन मोबाइल फोन और दस्तावेजों के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को फंसाकर ब्लैकमेल किया जाता था। इस मामले में मुफसिल थाना कांड संख्या 207/25, दिनांक 25.12.25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317, 318, 319, 338, 340, 61(2) एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी), 67 और 67(ए) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनन्द, पुलिस निरीक्षक शाहिद रजा, थाना प्रभारी रोशन वर्णवाल सहित तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल के अधिकारी-कर्मী शामिल थे। हजारीबाग पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार के ऑनलाइन प्रलोभन, फर्जी विज्ञापन या संदिग्ध कॉल से सतर्क रहें और ऐसी किसी भी सूचना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

सीयूएसबी में मगही की पढ़ाई शुरू करने पर होगा विचार



नवबिहार टाइम्स संवाददाता टिकारी। साहित्यकार व समाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर ने सीयूएसबी, गया जी के भारतीय भाषा विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश चंद को राष्ट्रकाध्यक्ष प्रो. सुरेश चंद को राष्ट्रीय चरम धारा दिया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र की मातृभाषा मगही को पढ़ाई शुरू कराने का आग्रह किया।प्रो. सुरेश चंद ने आश्चस्त किया कि विवि प्रशासन इस दिशा में गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है और शीघ्र ही मगही भाषा की पढ़ाई शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा

कि इससे क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ स्थानीय विद्यार्थियों को अकादमिक लाभ मिलेगा। श्री शेखर ने कहा है कि मातृभाषा में सीखने की क्षमता अधिक होती है। मातृभाषा को अपनाकर भारत फिर से विश्वगुरु बन सकता है। इस पेट में शामिल शिक्षाविद अबरार आलम ने कहा कि केंद्रीय विवि में मगही भाषा की पढ़ाई शुरू होने से इस अंचल की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलेगी और शोध व रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी पहुंचे दिल्ली

राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा की जिम्मेदारी संभालने के बाद प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी पहली बार राजधानी दिल्ली पहुंचे। यहां इन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात के दौरान उन्हें मिथिला पेंटिंग सौंपकर बिहार की सौगात दी। प्रदेश



अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि पार्टी के कुशल संगठनकर्ता, लोकप्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी

नड्डा से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और बिहार में संगठन के विस्तार और सशक्त

बनाने के अभियान को सफल बनाने के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। दिल्ली दौर के क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सरावगी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान बिहार के विकास सहित संगठन से जुड़े कई मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बिहार के सम्यक विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और संगठनात्मक मुद्दों पर मार्गदर्शन

प्राप्त किया। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा है कि इन वरिष्ठ लोगों से प्राप्त मार्गदर्शन मेरे कार्यों को और अधिक प्रभावशाली बनाने की दिशा में प्रेरक सिद्ध होगा। दिल्ली प्रवास के दौरान प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भाजपा बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से भी शिष्टाचार मुलाकात की और उनसे संगठन को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस क्रम में उनका कई विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस क्रम में दोनों के बीच काफी देर तक बिहार के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।



वहां भी मत्था टेका और राज्य के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, विधायक रत्नेश कुशवाहा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह,

मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, पटना प्रमण्डल के आयुक्त अनिमेश पासर, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्पगराजन एसएम0, रुटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा, अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारीगण, गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सदस्यगण, सिख संगत, सेवादार एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

होटल मौर्या में सजेगी सूफी से बॉलीवुड तक की सुरमयी रात

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सूफी गायक उस्ताद मुनव्वर मासूम होंगे कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी के प्रतिष्ठित होटल मौर्या, पटना में 31 दिसंबर की रात नए साल 2026 के स्वागत के लिए भव्य संगीत संस्था का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर सूफी, पंजाबी फोक और बॉलीवुड संगीत की प्रस्तुतियों के साथ संगीत और मनोरंजन का विशेष संगम देखने को मिलेगा। शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए होटल मौर्या के महाप्रबंधक अपूर्व गौर ने बताया कि इस नववर्ष उत्सव-2026 कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त



सूफी गायक उस्ताद मुनव्वर मासूम की प्रस्तुति होगी। उन्होंने कहा कि कोक स्टूडियो में कैलाश खेर और सलीम-हुलेजमान के साथ गाया गया उनका लोकप्रिय गीत 'बिस्मिल्लाह' देश-विदेश में खासा चर्चित रहा है। अपूर्व गौर ने जानकारी दी कि

कार्यक्रम में हुसैन लंगा (पंजाबी फोक एवं सूफी), अनस हुसैन (बॉलीवुड एवं सूफी), नवेद नवाब खान (संतूर डीजे) और डीजे देवराज भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे जबकि कार्यक्रम का संचालन मौसमी द्वारा किया जाएगा।

62वें अखिल भारतीय राजनीतिक विज्ञान सम्मेलन का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भुवनेश्वर। 62वें अखिल भारतीय राजनीतिक विज्ञान सम्मेलन एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ‘हम भारत के लोग’ विषय पर केआइआइटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में किया गया। यह आयोजन केआइआइटी विश्वविद्यालय एवं संबंधित शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रख्यात शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मगध विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रख्यात राजनीतिक विज्ञान विद्वान प्रो. शशि प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने मुख्य अतिथि संबोधन में प्रो. शाही ने वक्तಾओं एवं प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ‘हम भारत के लोग’



केवल एक संवैधानिक उद्घोषणा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह अवधारणा नागरिक सहभागिता, संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास की आधारशिला है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान वैश्विक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त करना, संवैधानिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाना तथा अकादमिक विमर्श को समाज से जोड़ना अत्यंत

आवश्यक है। ऐसे सम्मेलन शोध, संवाद एवं नीति निर्माण के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करते हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिनमें भारतीय संविधान, लोकतंत्र की चुनौतियां, नागरिक अधिकार, संघवाद, सुशासन, समकालीन राजनीति एवं वैश्विक परिदृश्य जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विदेशी विद्वानों ने भी अपने विचार प्रस्तुत

किए जिससे सम्मेलन को वैश्विक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। केआइआइटी विश्वविद्यालय के आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के अकादमिक आयोजन विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को वैचारिक रूप से समृद्ध करते हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सुदृढ़ बनाते हैं। सम्मेलन के समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा आयोजन की सफलता के लिए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह सम्मेलन शैक्षणिक उत्कृष्टता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं बौद्धिक विमर्श को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। आज के कार्यक्रम में मगध विश्वविद्यालय से डॉ अंजनी कुमार घोष, डॉ शमशाद अंसारी, डॉ धर्मेन्द्र कुमार, अविनाश कुमार, अशोक कुमार, पंकज कुमार मौजूद थे।

पूर्व सांसद सुशील सिंह एवं अतरी विधायक ने पूर्व सरपंच के निधन पर जताया शोक



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया जी। गया जिला के टेकारी विधानसभा के कोच प्रखंड के पूर्व सरपंच सह समाजसेवी जय किशोर सिंह के निधन पर पूरे गया जिला में शोक की लहर में हैं। इनके निधन से कोच एवं गया जिला के लिए अपूर्णीय क्षति हुई है। इनके निधन

पर इनके गांव पैतृक आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में औरंगाबाद पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह एवं औरंगाबाद के जाने माने लोगों के साथ केन्द्रीय मंत्री जीवन राम मौझी के अपने वक्तव्य सह विधायक रोमीत कुमार ने शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया है।

साहित्य का वर्तमान दौर लघुकथा और भविष्य भी लघुकथा का : डॉ राम वचन राय

श्री बलराम प्रथम सतीशराज पुष्करणा शिखर सम्मान व डॉ आशा पुष्प लघुकथा समालोचना सम्मान से सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा-मंच का बहुप्रतीक्षित लघुकथा- सम्मेलन का 30वां संस्करण शनिवार को किलकारी बिहार बाल-भवन सभागार में आयोजित किया गया। सम्मेलन के उद्घाटनकर्ता बिहार विधान परिषद के उउ सभापति प्रो. रामवचन राय ने अपने संबोधन में कहा कि लघुकथा भी कहानी उपन्यास का काम करती है। कहानी के भीतर लघुकथा मानो नैनो साईंस की तरह है। कहानी में आदर्श, विकास,

उत्कर्ष और अंत होता है, पर लघुकथा में कभी-कभी आरंभ पर ही अंत हो जाता है। यही शैली का अंतर इसे लघुकथा बनाती है। आज लघुकथा समय की जरूरत बन गई है। इसमें विस्तार में न जाकर संक्षेप में बात होती है। मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि लघुकथा साहित्य की एक ऐसी विधा, जिसमें कम शब्दों में क्षण की घटना को लिखा जाता है। कम शब्दों में लिखना आसान काम नहीं है। पर, लघुकथा अपना

बखूबी काम कर रही है। लोगों के पास समय का अभाव है, उन्हें लंबी कहानियां- उपन्यास पढ़ने का समय नहीं है। इसीलिए आज के दौर में लघुकथा एक प्रचलित विधा बनती जा रही है। इस विधा को शिखर पर ले जाने के लिए अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा-मंच का प्रयास सहायक साधक है। मंच के महासचिव डॉ. ध्रुव कुमार ने अपने स्वागत उद्गार में कहा कि किंवंत साहित्यकार डॉ. सतीशराज पुष्करणा ने 1987 में अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा-मंच

पटना में स्थापित कर लघुकथा आंदोलन की आवाज दी। लघुकथा को कहानी विधा से अलग कर एक स्वतंत्र विधा बनाया। उन्होंने 1988 से ही लघुकथा - सम्मेलन आयोजित किया। पुष्करणा जी कहा करते थे कि हमारा काम साहित्य लेखन करते तक ही सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उनका झलक हमारे व्यक्तित्व में ही दिखना चाहिए। पटना की मेयर सीता साहू ने कहा कि लघुकथा संवेदना की गहराइयों को नापती है और कुछ प्रश्न हमारे भीतर जती

है। आज के दौर के लेखकों की कलम यथार्थ को चित्रित करती है और उनके लिखे शब्दों को पढ़कर-सुनकर समाज बदलाव की ओर अग्रसर होता है। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अबू बकर रिजवी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि सम्मेलन में यहां उपस्थित सारे साहित्यकार अपने आप में आफताब और महताब हैं। उन्होंने मंच के कार्यक्रम को देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। लघुकथा- मंच के अध्यक्ष डॉ

रामदुलार पराया ने डॉ सतीशराज पुष्करणा की कहीं बातों को दोहराया और कहा कि हमें विवादों से हटकर कालजयी रचना की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मंच के प्रयासों पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि वरिष्ठों और युवा के साथ नवांक्रु को भी सम्मानित किया गया है, यह अनुकरणीय है। नई धारा के संपादक प्रो. शिवनारायण ने लघुकथा मंच के संस्थापक डॉ सतीशराज पुष्करणा याद किया और उनके लघुकथा आंदोलनों पर विस्तृत चर्चा की।

अवकाश के दौरान शिक्षकों को प्रशिक्षण हेतु भेजना अनुचित : मृत्युंजय ठाकुर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा विभाग द्वारा जारी अवकाश तालिका के अनुसार वर्तमान में राज्य में 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश घोषित है। ऐसे समय में शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाना पूरी तरह से अनुचित एवं अव्यवहारिक है। यह बातें परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने कही। उन्होंने कहा कि अवकाश का उद्देश्य शिक्षकों को शारीरिक-मानसिक विश्राम प्रदान करना होता है, ताकि

वे पुनः नई ऊर्जा के साथ शैक्षणिक कार्यों में योगदान दे सकें। अवकाश के दौरान प्रशिक्षण आयोजित करना न केवल अवकाश नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे शिक्षकों में असंतोष भी उत्पन्न हो रहा है। परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार ने इस निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य के शिक्षा मंत्रों एवं अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग से शीतकालीन अवकाश की अवधि में प्रस्तावित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की मांग की है।

भारतीय रेल की महत्वाकांक्षी योजना : प्रमुख शहरों में ट्रेन संचालन क्षमता दोगुनी होगी गया और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन सूची में शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। यात्रियों की तेजी से बढ़ती संख्या को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 48 प्रमुख शहरों में रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता को 2030 तक दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस योजना में पूर्व मध्य रेल के गया जंक्शन तथा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) प्रमुख रूप से शामिल हैं। यात्रा की मांग में लगातार हो रही तीव्र वृद्धि को देखते हुए अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की नई रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करना आवश्यक है। अगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता को दोगुना करने के

लिए निम्नलिखित कार्य शामिल होंगे। मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और पर्याप्त शॉटिंग सुविधाओं से सुसज्जित करना। शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनलों की पहचान और निर्माण करना। मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाएं। विभिन्न स्थानों पर रेल गाड़ियों की बढ़ती संख्या की व्यवस्था करने के लिए यातायात सुविधाएं। विभिन्न स्थानों पर रेल मल्टीट्रेकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि करना। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा हम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार कर रहे हैं और अनुभागीय एवं परिचालन क्षमताओं

को बढ़ा रहे हैं। इस कदम से हमारे रेलवे नेटवर्क का उन्नयन होगा और राष्ट्रव्यापी संपर्क सुविधा में सुधार होगा। गया जंक्शन का व्यापक पुनर्विकास के अंतर्गत स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस हो रहा है। यहां बेहतर प्रतीक्षालय, लिफ्ट, एस्केलेटर तथा दिव्यांगजन अनुकूल व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। सोनभारा-आंडाल मल्टीट्रेकिंग योजना, जो पूर्वी सर्म्पित मालवाहक गलियारे का हिस्सा है, माल ढुलाई को बढ़ावा देगी और यात्री ट्रेनों के लिए अधिक स्थान उपलब्ध कराएगी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-गया खंड में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग तथा स्वदेशी कचब स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली लागू होने से यात्रा अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगी, कार्य तेजी से प्रगति पर

है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पर क्षमता विस्तार के लिए यार्ड रिमॉडलिंग और नई रूट रिले इंटरलॉकिंग हेतु कार्य चल रहा है। प्रयागराज तक तीसरी लाइन, वाराणसी तक तीसरी एवं चौथी लाइन (गंगा पर एए रेल-सह-सड़क पुल सहित) तथा पटना-झाझा तक तीसरी-चौथी लाइन जैसे प्रस्तावित कार्य दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर अधिक ट्रेनें चलाने की क्षमता बढ़ाएंगे। यहां भी अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ क्षमता वृद्धि के लिए व्यापक पुनर्विकास प्रस्तावित है। 17 हजार करोड़ रुपये की लागत से डीडीयू-झाझा के बीच लगभग 400 किलोमीटर तीसरी एवं चौथी रेल लाइन का निर्माण शीघ्र शुरू होगा। परियोजना को छोटे छोटे में बांटकर तेजी से पूरा किया जाएगा।

शिक्षा पुरस्कार घोटाला : अब चुप्पी नहीं सहेंगे शिक्षक सम्मान के नाम पर व्यापार, शिक्षा की गरिमा पर सीधा हमला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा को समाज की नैतिक रीढ़ माना जाता है। यहीं से ईमानदारी, जिम्मेदारी और मूल्यों का संस्कार विकसित होता है, लेकिन हाल के वर्षों में शिक्षा के इसी पवित्र क्षेत्र में 'पुरस्कार' जैसे शब्द को कुछ स्वार्थी और तथाकथित संगठनों द्वारा खुलेआम व्यापार बना दिया गया है। यह केवल एक स्थान या एक घटना की बात नहीं, बल्कि देशभर में फैलती जा रही एक गंभीर और संगठित प्रवृत्ति है।

कैसे रचा जा रहा है पुरस्कार का जाल

देशभर में सक्रिय कई तथाकथित शैक्षिक संगठन, फाउंडेशन और अवार्ड कमेटियां शिक्षकों को पहले फोन, व्हाट्सएप या ई-मेल के माध्यम से यह बताती हैं कि उनका कार्य 'असाधारण' है और उन्हें राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। शुरुआत में यह सूचना सम्मानजनक प्रतीत होती है, लेकिन इसके बाद असली खेल शुरू होता है।

अवार्ड कमेटियां शिक्षकों को पहले फोन, व्हाट्सएप या ई-मेल के माध्यम से यह बताती हैं कि उनका कार्य 'असाधारण' है और उन्हें राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। शुरुआत में यह सूचना सम्मानजनक प्रतीत होती है, लेकिन इसके बाद असली खेल शुरू होता है।

मामलों में यह राशि इतनी अधिक होती है कि एक ईमानदार शिक्षक के लिए देना न केवल कठिन बल्कि अपमानजनक भी होता है। बावजूद इसके सामाजिक प्रतिष्ठा और 'सम्मान छूट जाने' के डर से कई शिक्षक मजबूरी में भुगतान कर देते हैं।

सम्मान नहीं, सौदा बन चुका है पुरस्कार शिक्षाविदों का कहना है कि जहां पैसे देकर मंच मिलता है, वहां योग्यता का कोई अर्थ नहीं रह जाता जब भुगतान अनिवार्य हो जाता है। यह कहा कि सम्मेलन में यहां उपस्थित सारे साहित्यकार अपने आप में आफताब और महताब हैं। उन्होंने मंच के कार्यक्रम को देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। लघुकथा- मंच के अध्यक्ष डॉ

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सम्मान को व्यापार बनाना न केवल शिक्षकों का अपमान है, बल्कि यह पूरे समाज की मूल्य-व्यवस्था पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि जो संगठन पैसे लेकर पुरस्कार देते हैं, वे शिक्षा की सेवा नहीं, बल्कि उसका शोषण कर रहे हैं।

लगनी चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे किसी भी ऐसे पुरस्कार को स्वीकार न करें जिसमें किसी भी प्रकार का शुल्क लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते रोक नहीं लगी तो इससे शिक्षकों की सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरी क्षति पहुंचेगी।



संपादकीय

आमतौर पर होटलों में ठहरने के दौरान यह उम्मीद की जाती है कि वहां सुकून के साथ सुरक्षित माहौल भी होगा। मगर देश भर के कई होटलों में जिस तरह की लापरवाही बरती जाती है, वह चिंताजनक है। सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने के कारण कई दफा लोगों की जान तक चली जाती है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में ऐसी ही एक घटना सामने आई है। यहां एक होटल में सोमवार रात अंगीठी के धुएं के

कारण पांच लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। ये सभी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से इस होटल में रंग-रोगन संबंधी कार्य के लिए आए थे और वहीं एक कमरे में ठहरे थे। यह आश्चर्य की बात है कि इस होटल के कमरे में अंगीठी का इस्तेमाल हो रहा था। ऐसे में सवाल है कि अंगीठी का बंदोबस्त होटल प्रबंधन ने ही किया था या फिर इन लोगों ने अपने स्तर पर इसका इंतजाम

किया? और अगर निजी तौर पर वहां अंगीठी लाई गई थी, तो कर्मचारियों ने उन्हें रोका क्यों नहीं! यहां तक कि कमरे से उठते धुएं पर भी ध्यान न देना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है। होटलों में प्राथमिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा संबंधी बंदोबस्त की जांच करना स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि धुएं और आग की चेतावनी देने वाले

उपकरण आमतौर पर कर्मचारियों को सचेत कर देते हैं। ऐसे में सवाल है कि इस होटल में क्या जरूरी सुरक्षा उपकरण नहीं लगाए गए थे? इस तरह की व्यवस्थागत खामी के लिए होटल प्रबंधन के साथ-साथ वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं, जो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में समय-समय पर सुरक्षा उपायों का निरीक्षण करते हैं। कुरुक्षेत्र में हुए हादसे को टाला जा सकता

था, अगर वहां तैनात कर्मचारी सचेत रहते और सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए होते। लापरवाही के इस धुएं में पांच लोगों के जीवन की लौ बुझ गई, तो इसका दोषी कौन है? इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर ठोस कदम उठाने होंगे।

अरावली पर्वत शृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा।

अरावली पर्वत श्रंखला राजनीतिक अर्थशास्त्र के संदर्भ में

(ललित गर्ग) पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है।

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है। अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल चिार्चज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो

चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं।

अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगानी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों

कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे



पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर

की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से 100 मीटर ऊंचाई जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार

वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि नियंत्रित शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रुकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लाभार्थ खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण के कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की

आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है- खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएं, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज़ शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो। लेखक, पत्रकार, संभकार।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वीर बाल दिवस- युवा भारत की प्रेरणा

भारत का इतिहास केवल तिथियों और युद्धों का संकलन नहीं है, बल्कि वह मानवीय साहस, नैतिक दृढ़ता और आत्मबल की जीवंत परंपरा है। वीर बाल दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया गया है, इसी परंपरा का एक अमर अध्याय है।

(डॉ. शिवानी कटारा) 1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे-अजित सिंह और जुझार सिंह-युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वजीर खान के आदेशों के तहत

परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे-अजित सिंह और जुझार सिंह-युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वजीर खान के आदेशों के तहत



भारत का इतिहास केवल तिथियों और युद्धों का संकलन नहीं है, बल्कि वह मानवीय साहस, नैतिक दृढ़ता और आत्मबल की जीवंत परंपरा है। वीर बाल दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया गया है, इसी परंपरा का एक अमर अध्याय है। यह दिवस सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों-साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह-के अद्वितीय बलिदान की स्मृति को समर्पित है। मात्र नौ और छह वर्ष की आयु में इन बाल वीरों ने धर्म, सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए जो साहस दिखाया, वह आज भी भारत की चेतना को आलोकित करता है। इतिहास- 1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन

बढ़ाया गया, किंतु उन बच्चों ने अत्यंत शांति और दृढ़ता से यह स्पष्ट कर दिया कि आस्था कोई सौदे की वस्तु नहीं होती। परिणामस्वरूप उन्हें दीवार में जीवित चिनवा दिया गया। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं थी, बल्कि मानव आत्मा की सर्वोच्च परीक्षा थी, जहाँ शरीर पर अत्याचार था, पर आत्मा अडिग थी। जैसा कि कहा गया है- साहस का अर्थ डर का न होना नहीं, बल्कि डर के होते हुए भी सत्य के साथ खड़े रहना है। इसी क्षण बचपन ने इतिहास को दिशा दी और यह सिद्ध किया कि उम्र छोटी हो सकती है, पर चेतना और साहस अनंत हो सकते हैं। **जेन जेड और मानसिक स्वास्थ्य-** भारत सरकार ने वर्ष 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया, ताकि देश के बच्चे और युवा इन बलिदानों से परिचित हो सकें।

कुशल भारतीय युवाओं के लिए अन्य देशों में भी उपलब्ध हो रहे हैं रोजगार के अवसर

आज इजराइल भी, विशेष रूप से हम्मास के साथ हुए संघर्ष के बाद से, निर्माण के क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है और भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहा है। इजराइल ने भारत से एक लाख श्रमिकों को उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया है। इजराइल ने भारत के साथ इस सम्बंध में एक द्विपक्षीय रूपरेखा करार भी किया है। भारतीय संसद में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, इस करार के अंतर्गत, 1 जुलाई 2025 तक 6,774 भारतीय कामगारों को इजराइल भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इजराइल भेजे जाने वाले श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश से अधिकतम युवाओं को इजराइल भेजकर उन्हें वहां पर आसानी से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

(प्रह्लाद सबनानी) भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के बीच 29-30 अगस्त, 2025 को जापान में हुई बैठक में भारत और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग की दिशा में एक दूरदर्शी मार्ग प्रशस्त किया है और दोनों देशों के बीच अगले दशक के लिए एक व्यापक संयुक्त विजन की नींव रखी गई है।

हाल ही के समय में भारतीय युवाओं ने भारतीय संस्कृति के नियमों का अनुपालन करने की ओर अपने पग बढ़ा दिए हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव को आत्मसात करते हुए अन्य कई देशों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से एवं अपनी उच्च शिक्षा समाप्त करने के पश्चात आज भारतीय युवा रोजगार प्राप्त करते हुए इन देशों में आसानी से रच बस रहे हैं। आज कई विकसित

देशों में तकनीकी, स्वास्थ्य एवं रीसर्च जैसे क्षेत्रों में भारतीय मूल के नागरिकों का दबदबा बन गया है। इन देशों की अर्थव्यवस्था को गति देने में भारतीय मूल के नागरिकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। कई अन्य देशों में रचे बसे भारतीयों ने अपनी हिंदू सनातन संस्कृति का पालन करते हुए अपनी छाप छोड़ी है। इसके चलते ही आज कई देश - रूस, जापान, इजराइल, वियतनाम, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रान्स एवं अन्य कई देश है क्योंकि इन देशों की खुले रूप से मांग करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देशों में आज श्रमबल की भारी कमी महसूस की जा रही है क्योंकि इन देशों में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेज गति से बढ़ रही है और इन देशों में युवाओं द्वारा बच्चे पैदा नहीं करने अथवा कम बच्चे पैदा करने के चलते युवाओं

की बहुत कमी हो गई है। इसीलिए भी विश्व के कई देश आज भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना चाहते हैं ताकि वे भारत से श्रमबल को अपने देशों में विशेष सुविधाएं देकर आकर्षित कर सकें।

इस समय रूस लगभग 20 लाख कामगारों की कमी से जूझ रहा है। 4 एवं 5 दिसम्बर 2025 को रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने हेतु, भारत में आए थे। रूस के राष्ट्रपति की भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय चर्चा में अन्य मुद्दों के साथ साथ भारतीय युवाओं के लिए रूस द्वारा अपने दरवाजे खोलने पर भी गम्भीर चर्चा हुई थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2017 में प्रारम्भ हुए यूरेशियाई आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार

समझौते को आगे बढ़ाते हुए उक्त 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत एवं रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रूस में भारत



द्वारा निर्यात की जाने वाली 90 प्रतिशत वस्तुओं पर वर्ष 2028 तक शून्य टैरिफ सम्बंधी शर्तों को अंतिम रूप दिया गया। इससे भारतीय फार्मा और वस्त्र उद्योग के लिए तीन करोड़ उपभोक्ताओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे प्रति

वर्ष लगभग 1500 से 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूरेशियाई आर्थिक संघ में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और

किर्गिस्तान शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण समझौते के अंतर्गत भारत वर्ष 2030 तक सूचना प्रौद्योगिकी, निर्माण और नर्सिंग के क्षेत्रों में रूस को लगभग 5 लाख भारतीय श्रमबल उपलब्ध करेगा। इससे भारत को अपने

रोजगार सृजन के लक्ष्य को पूरा करने और अपनी जनसांख्यिकी बढ़ा का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। रूस के उद्योगपतियों एवं उद्यमियों के संघ के उपाध्यक्ष ने तो बताया है कि रूस को 50 लाख कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है और भारत रूस की इस कमी को पूरा करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। आज इजराइल भी, विशेष रूप से हम्मास के साथ हुए संघर्ष के बाद से, निर्माण के क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है और भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहा है। इजराइल ने भारत से एक लाख श्रमिकों को उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया है। इजराइल ने भारत के साथ इस सम्बंध में एक द्विपक्षीय रूपरेखा करार भी किया है। भारतीय संसद में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, इस करार के अंतर्गत, 1 जुलाई

2025 तक 6,774 भारतीय कामगारों को इजराइल भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इजराइल भेजे जाने वाले श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश से अधिकतम युवाओं को इजराइल भेजकर उन्हें वहां पर आसानी से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के बीच 29-30 अगस्त, 2025 को जापान में हुई बैठक में भारत और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग की दिशा में एक दूरदर्शी मार्ग प्रशस्त किया है और दोनों देशों के बीच अगले दशक के लिए एक व्यापक संयुक्त विजन की नींव रखी गई है। जापान ने आगामी दस वर्षों में भारत में अपने निवेश को 2024 के स्तर, लगभग 4,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर, से बढ़ाकर,

6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर (10 लाख करोड़ जापानी येन) करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। पूंजी के प्रवाह के साथ ही, जापान एवं भारत ने एक पीपल टू पीपल आदान प्रदान कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने की बात कही है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य है कि जापान की प्रौढ़ हो रही आबादी के चलते वहां के संरचनात्मक श्रमबल के क्षेत्र में कमी को कम करने और भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए आने वाले 5 वर्षों में जापान में 5 लाख भारतीय छात्रों और श्रमिकों को भेजने के लक्ष्य को लेकर दोनों देश काम करेंगे। जापान, भारतीय नर्सों के लिए भी अवसर गढ़ने का प्रयास कर रहा है क्योंकि वहां चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सकों एवं नर्सों की भारी कमी है, जबकि जापान में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।

पीडीएस डीलरों का फूटा आक्रोश

लोड सेल व बकाया भुगतान को लेकर सरकार से निर्णायक हस्तक्षेप की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई /कटिहार। बारसोई डीलर संघ की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें पीडीएस डीलरों की लंबे समय से लंबित समस्याओं को लेकर नाराजगी व्यक्त करने को मिली। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष आफताब आलम ने की। डीलरों ने एक स्वर में कहा कि यदि अब भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। बैठक में संघ के सचिव श्यामाकांत मजुमदार, उपसचिव सद्दाम हुसैन, कोषाध्यक्ष प्रशांत कुमार बोसाक समेत बड़ी संख्या में पीडीएस डीलर उपस्थित रहे।

सभी ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखते हुए व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। तैल व्यवस्था पर सवाल, एजीएम पर अनियमितता का आरोप। डीलरों ने बताया कि गोदाम से पीडीएस दुकानों तक अनाज पहुंचाने वाले ट्रैक्टरों में लोड सेल नहीं होने के कारण सही तैल नहीं हो पा रही है।



आरोप लगाया गया कि इसी कमी का फायदा उठाकर गोदाम स्तर पर एजीएम द्वारा अनाज कम दिया जा रहा है, जिससे डीलरों को प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। नए राशन कार्ड पर आवंटन जस का तस। बैठक में यह भी कहा गया कि लगातार नए राशन कार्ड बनाए जा रहे हैं, लेकिन उसके अनुपात में अनाज

आवंटन नहीं बढ़ाया जा रहा। इसका सीधा असर लाभुकों पर पड़ रहा है, जिन्हें हर महीने पूरा अनाज नहीं मिल पा रहा है। इस स्थिति में डीलरों को जनता के रोष का सामना करना पड़ता है। मार्जिन मनी नहीं मिलने से बड़ी आर्थिक बढ़ाही डीलरों ने बताया कि पिछले आठ महीनों से मार्जिन मनी का भुगतान नहीं हुआ है। इससे कई डीलरों के सामने परिवार चलाने तक

की समस्या उत्पन्न हो गई है। डीलरों ने इसे अमानवीय स्थिति बताते हुए कहा कि सरकारी लापरवाही के कारण वे भुखमरी की ओर धकेले जा रहे हैं। सरकार से मांग डीलर संघ ने सरकार और प्रशासन से स्पष्ट मांग किया कि गोदाम से अनाज ढुलाई करने वाले सभी ट्रैक्टरों में लोड सेल अनिवार्य रूप से लगाया जाए। ताकि तैल में पारदर्शिता आये और धांधली

पर पूर्ण विराम लगे। नए राशन कार्डों के अनुरूप अनाज आवंटन बढ़ाया जाय अथवा प्रत्येक माह अतिरिक्त आवंटन सुनिश्चित किया जाए। पिछले आठ महीनों की बकाया मार्जिन मनी का तत्काल भुगतान किया जाए तथा पीडीएस डीलरों को 55,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाय। डीलर संघ ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि मांगों की अनदेखी की गई तो वे जिला से लेकर राज्य स्तर तक आंदोलन करने को विवश होंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और सरकार की होगी। इस अवसर पर बारसोई डीलर संघ उपसचिव सद्दाम हुसैन, कोषाध्यक्ष प्रशांत कुमार बोसाक, पीडीएस डीलर अलाउद्दीन, नैशाद आलम, नूरुल होदा, मनोहर आलम, अब्दुल जब्बार, एहतेशाम, समसुद्दीन, मजीफुर रहमान, गुलाम सरवर, गयानाथ घोष, केशव कुमार दास, रेजाउल हक, संजय कुमार बोसाक, अब्दुल रज्जाक, काशीफ, अब्दुल मतीम आदि शामिल रहे।

बरारी में पत्रकार के घर चोरी, नकदी व जेवरात ले उड़े बदमाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी /कटिहार। बरारी थाना क्षेत्र के सदर नगर लक्ष्मीपुर में एक दैनिक अखबार के पत्रकार के घर बीती रात चोरी की घटना सामने आयी है। पीड़ित के अनुसार बदमाश गोदरेज अलमीरा तोड़कर नकदी और कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक राणा सिंह दो दिन पहले पटना गुरुद्वारा में आयोजित कार्यक्रम में गए हुए थे।

इसी दौरान बदमाशों ने उनके घर को निशाना बनाया। चोर पीछे के दरवाजे की टिन में बंधी रस्सी खोलकर घर के अंदर घुसे। घटना के समय घर में पत्रकार के पिता सुरजीत सिंह और उनकी पत्नी दूसरे कमरे में सोए हुए थे। सुरजीत सिंह रात करीब दो बजे बाथरूम गए थे। जबकि पत्रकार की पत्नी दूसरे कमरे में अपने बच्चे के साथ सोई हुई थी। उन्होंने बताया कि रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच कमरे से आवाज आने पर जब वह जागीं तो देखा कि एक व्यक्ति



अलमीरा से सामान निकाल रहा था। पृष्ठे पर वह तुरंत कमरे से निकलकर फरार हो गया। चोर करीब दो लाख रुपये नकद और लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के जेवरात, जिसमें कान की बालियां और अंगूठी शामिल हैं, लेकर फरार

हो गया। घटना की सूचना मिलने पर बरारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और जल्द ही चोरों की पहचान कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

टोटो चोरी कांड का डंडखोरा पुलिस ने किया उद्देदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। डंडखोरा थाना क्षेत्र के सकरपुरा गांव से रात को हुए टोटो चोरीकांड का पुलिस ने सफल उद्देदन कर लिया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चोरी के टोटो के सामानों के साथ एक सीएनजी टैंपो का सामान भी बरामद कर लिया है। जानकारी देते हुए एसडीपीओ सदर अर्पिजीत सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान एवं मानवीय सहयोग के

■ टोटो सहित सीएनजी टैंपू के सामान सहित चार गिरफ्तार

आधार पर टीम ने छापेमारी कर कांड में सलिस मो.कमर रजा उर्फ चांद (19) पिता-अहमद हुसैन, भमरैली, थाना डंडखोरा, सोनू राय उर्फ सिकसर (19), पिता सुबोध राय रोहित कुमार (18), पिता मनोज जायसवाल, नीतीश कुमार उर्फ कटकी (18), पिता शिवप्रसाद साह तीनों ड्राइवर टोला कटिहार निवासी को गिरफ्तार कर लिया है। एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी में इनके पास से एक टोटो, 5 बैटरी, टोटो का 2 पहिया और 2 सीएनजी टैंपो बरामद हुआ है।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाहर्णालय सभागार में अग्निवीर योजना अन्तर्गत विभिन्न पदों पर होने वाली बहाली को लेकर प्रशासनिक तैयारी की समीक्षा का बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता प्रभारी जिला पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता डॉ. बिनोद कुमार ने की।

बैठक में सेना के भर्ती निदेशक कर्नल आरके नरवाल ने आगामी 02 फरवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली की जानकारी देते हुए कहा कि नर्सिंग अस्पष्ट, नर्सिंग अस्पष्ट वेटनरी, सिपाही फार्मा पदों के लिए कटिहार, भागलपुर, बांका, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और सुपौल के लगभग छः हजार से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। भर्ती हेतु सभी जांच और परीक्षा गढ़वाल



मैदान, सिरसा मिलिट्री कैंप में किया जाएगा। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया की जानकारी देते हुए अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधा, एवं प्रशासनिक तैयारी 29 जनवरी तक पूरा करने में अपेक्षित सहयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण तथा भीड़ प्रबंधन के लिए नोडल पदाधिकारी, दंडाधिकारी पर्याप्त संख्या

में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, बैरिकेडिंग, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा सुविधा, निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरा का अधिग्रहण, वाटरपूफ पंडाल, अभ्यर्थियों के कैरिंग, विश्राम क्षेत्र की व्यवस्था, चलंत शौचालय, प्रकाश की व्यवस्था, विद्युत एवं जेनरेटर बैकअप, उपकरणों की व्यवस्था, अग्निशमन यंत्र सहित टीम की प्रतिनियुक्ति, इंटरनेट व

जनता दरवार में पांच मामले निष्पादित



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी/कटिहार। अंचल कार्यालय में जनता दरवार का आयोजनकर भूमि विवाद के मामलों की सुनवाई की गयी। राजस्व पदाधिकारी राम

सागर पासवान एवं थाना से आये एसआई की मौजूदगी में ग्रामीण अंचलों से आये परियार्थियों ने जनता दरवार में भूमि विवाद से अपने अपने पक्ष रखे। आरओ श्री पासवान

ने जानकारी दी की पूर्व से लंबित पांच मामलों का उभय पक्षों की सहमति से निष्पादन किया गया जबकि सात मामले विचारण के लिए प्रतिवेदित हुए।

सात माह पूर्व जल नल का पाइप सड़क निर्माण कंपनी ने काटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के भखरीपुर में विगत सात माह से जल नल का पाइप हफलागंज से कुरेठा सड़क निर्माण करा रहे कंपनी के द्वारा जल नल का पाइप को काट दिया तब से लेकर अब तक इस गांव में पानी सप्लाई बंद है लगभग 200 परिवार लोग युक्त पानी पीने को मजबूर हैं।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के प्रखंड महामंत्री विनोद उरांव ने बताया कि हफलागंज से कुरेठा सड़क निर्माण कर रहे कंपनी के द्वारा सड़क के बगल बगल होते हुए जल नल का पाइप था जिससे पूरे गांव को शुद्ध पानी सप्लाई होता था। जिसे सड़क निर्माण कंपनी काट दिया। पाइप के काट देने से पूरे गांव में सफलाई पानी आना बंद हो गया। जिससे पूरे भखरीपुर के लगभग दो ढाई सौ परिवार लोह युक्त पानी पीने को विवश हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व मुखिया मुकेश उरांव के आवास पर जल नल का प्लांट लगा हुआ है उससे दर्जनों घरों में पानी आ रहा है, लेकिन बगल के मेरे घर के सामने से पूरे गांव में पाइप काट देने से जल नल का पानी आना बंद है उन्होंने कहा

लौह युक्त पानी पीने की विवश भखरीपुर के ग्रामीण



कि अगर पानी प्लांट के मुकेश उरांव सड़क निर्माण कंपनी से बात करते हैं तो कंपनी वाले जल्द से जल्द नए सिरे से पाइप जोड़कर पूरे गांव में पानी सप्लाई शुरू कर सकते हैं। उन्होंने अभिलष जल नल के पानी प्लांट के मुकेश उरांव एवं सड़क निर्माण कंपनी के संवेदक के द्वारा अभिलष पूरे गांव में पानी सप्लाई कराने की मांग की है।

नगर पंचायत की सामान्य बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी /कटिहार। नगर पंचायत के सभागार में नगर वार्ड पार्षदों की सामान्य परिषद की बैठक मुख्य पार्षद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड क्षेत्रों में चल रही व प्रस्तावित योजनाओं सहित, साफ सफाई, नाली, लाईट की समस्याएं रखीं। मनिहारी नगर क्षेत्र के समग्र विकास पर गंभीर चर्चाएं कीं।

मनिहारी नगर क्षेत्र को नगर परिषद में विस्तारित किये जाने एवं घर घर में सिकलनेवाले गंदे जल को एक संग्रहितकर इसकी शुद्धीकरण के बाद ही नदी में प्रवाहित करने को लेकर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापन की प्रस्ताव



पारित की। बैठक में मुख्य पार्षद, उप मुख्य पार्षद सहित वार्ड पार्षदों ने भाग लिया। इस बैठक में नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद पासवान, लेखापाल शैलेश कुमार, ईंजिनियर मो. रिजवान सहित अन्य मौजूद रहे।

भारतीय रेडक्रॉस की ओर से कंबल का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी कटिहार शाखा की ओर से कटिहार सदर प्रखंड के मखेली गांव में समाज की अतिम कड़ी में गुजर बसर कर रहे 50 परिवारों के बीच कंबल बांटा गया। इस मौके पर चेयरमैन डॉक्टर रंजना झा ने कहा कि ठंड में ठिठुरते लोगों के लिए कंबल जीवनदान से कम नहीं।

उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस द्वारा विगत दिनों टिकैली में कंबल वितरण किया गया। सचिव संतोष गुप्ता ने कहा कि इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद की भी उपस्थिति रही। श्री प्रसाद ने रेडक्रॉस की सराहना करते हुए कहा



कि समाजसेवा में रेडक्रॉस सबसे आगे बढ़ चुका कर कार्य करती है। उन्होंने कहा कि चाहे बाढ़, आगलगी हो या ठंड का समय हो, रेडक्रॉस के सदस्य पीड़ितों की सेवा में सदा अपना हाथ आगे बढ़ाते हैं जो वाकई मे अनुकरणीय

है। मौके पर पूर्व चेयरमैन अनिल चमरिया एवं सह सचिव विवेक सरकार के साथ पुरुषोत्तम मोदी, बिमल सिंह बेंगानी, देवराज शर्मा, नरेश साह, आलोक कुमार सिंहा, नरेश साह एवं बबन झा आदि उपस्थित रहे।

विद्युत शवदाह गृह का निर्माण अंतिम चरण में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी /कटिहार। मनिहारी गंगाट पर चल रहे विद्युत शवदाह गृह निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा को लेकर परियोजना के उपनिदेशक रवेश कुमार ने कार्य की देखरेख में लगे मनोज कुमार से जानकारी ली। उप निदेशक श्री कुमार ने जानकारी दी कि बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा तकरीबन नौ करोड़ की लागत से शवदाह गृह का अधिकांश कार्य पूरा कर लिया गया है।

मार्च 2026 तक काम पूरा किये जाने के लक्ष्य है। जानकारी दी कि दो विद्युत एवं दो लकड़ी वाली स्वचालित शवदाह गृह बन जाने से गंगा किनारे पर्यावरणीय, जल प्रदूषण की समस्या भी कम होगी साथ ही शवदाह को आनेवाले शवायात्री को भी धूप, बरसात के मौसम में भी दाह संस्कार के दौरान राहत मिल सकेगा। जानकारी दी कि यहां तक बाढ़ बरसात के दिनों में भी पहुंचा जा सके। इस दिशा में भी हाई फ्लड लेवल के मद्देनजर



महर्षि मेही आश्रम के पास बांध से शवदाह गृह तक मुख्यमंत्री समग्र योजना से पथ का निर्माण किया जाना है। टेंडर अभी प्रक्रियाधीन है। मोक्षदायिनी गंगा किनारे सीमांचल के विभिन्न जिलों से लोग अपने

परिजनो के शवदाह को लेकर मनिहारी गंगाट आते हैं। प्रतिदिन दर्जनों शवदाह संस्कार के बाद अधजली लकड़ियों के ढट पर बिखरे रहने से यहां आनेवाले लोगों को असुविधा होती है। प्रतिदिन बड़ी मात्रा में

शवदाह के बाद अधजली लकड़ियों के गंगा में प्रवाहित करने से इसकी निर्मलता प्रभावित होती है। लेकिन आधुनिक सुविधा संपन्न शवदाह गृह बनजाने से पर्यावरण व जल की निर्मलता को संरक्षण मिलेगा।

शवदाह के बाद अधजली लकड़ियों के गंगा में प्रवाहित करने से इसकी निर्मलता प्रभावित होती है। लेकिन आधुनिक सुविधा संपन्न शवदाह गृह बनजाने से पर्यावरण व जल की निर्मलता को संरक्षण मिलेगा।

राजनीति की धूप में साहित्य की छांव थे डॉ. शंकर दयाल सिंह

जयंती पर साहित्य सम्मेलन में दी गयी काव्यांजलि



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मात्र 33 वर्ष की आयु में सांसद निर्वाचित हो चुके, 'राजनीति की धूप और साहित्य की छांव' के महान लेखक डा शंकर दयाल सिंह, सच्चे अर्थों में राजनीति की धूप में साहित्य की छांव थे। राजनीति में उन्होंने सार्थक साहित्यिक हस्तक्षेप किया। अपनी 58 वर्ष की कुल आयु में उन्होंने 30 से अधिक ग्रंथ लिखे तथा इतनी ही पुस्तकों का संपादन भी किया। वे बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रचार मंत्री और अर्थमंत्री भी रहे।

उन्होंने अपने साहित्यिक और स्वतंत्रता-सेनानी पिता कामता प्रसाद सिंह 'काम' द्वारा स्थापित प्रकाशन संस्थान 'पारिजात प्रकाशन' को एक बड़े साहित्यिक-केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठित किया। उन्मुक्त ठहकों और विनोदी-स्वभाव के लिए प्रसिद्ध शंकर दयाल जी एक जिंदादिल ईंसान और हरदिल अजीज साहित्यकार थे। वह बातें शानिवार को

साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि, कवि-सम्मेलनों के लोकप्रिय संयोजक और संचालक के रूप में शंकर दयाल जी की ख्याति दूर-दूर तक थी। वे राजभाषा से संबंधित अनेक संसदीय समितियों के सदस्य और अधिकारी रहे तथा उस रूप में उन्होंने हिन्दी के हित-रक्षण और उन्नति के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष जियालाल आर्य ने कहा कि शंकर दयाल जी उच्च श्रेणी के साहित्यकार, पत्रकार और आदर्श साहित्यकार थे। वे राजभाषा हिन्दी को राष्ट्रीय एकता का सूत्र मानते थे। उनकी सक्रियता देखने लायक थी। प्रायः यात्राओं में रहते थे। सृजन भी सफर में कर लेते थे। उनकी मृत्यु भी

यात्रा में ही हुई। पटना से दिल्ली जाते हुए ट्रेन में ही हृदय-गति रुक जाने से उनका निधन हुआ। उनके ठहकें भुलाए नहीं जा सकते। सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा. मधु मधु, डा. रतेश्वर सिंह, प्रो. सुनील कुमार उपाध्यक्ष तथा डा. मनोज गोवर्धनपुरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंद मिश्र ने वाणी-वंदना से किया। भोजपुरी और हिन्दी के वरिष्ठ कवि प्रो. सुनील कुमार उपाध्यक्ष, कुमार अरुण, ई अशोक कुमार, नीता सहाय, डॉ. प्रकाश उपाध्यक्ष, संजय लाल चौधरी आदि कवियों और कवयित्रियों ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने किया। कुमार राकेश शत्रुगज, सुनीता कुमारी, नन्दन कुमार मीत, रूबी झा, कुमारी मेनका आदि प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

घर-घर में यूज होने वाली अगरबत्ती में अब नहीं होगा जहरीला केमिकल! सरकार ने कसी नकेल



नई दिल्ली, एजेंसी। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स ने अगरबत्ती के लिए गुणवत्ता का नया मानक तैयार किया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह ब्रुस 19412-2025 मानक जारी किया है। इस मानक के मुताबिक, कीटनाशक के रूप में इस्तेमाल होने वाली कुछ सिंथेटिक चीजों के उपयोग पर रोक लगाई गई है। यह कदम इनडोर एयर क्वालिटी, पर्यावरण और सेहत पर पड़ सकने वाले बुरे असर को देखते हुए उठाया गया है। केमिकल्स के उपयोग पर पाबंदी लगाई गई है। इनमें से कुछ चीजों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मनाही है। स्टैंडर्ड का पालन करने वाली अगरबत्ती पर बीआइएस मार्क लगा होगा, जिससे उपभोक्ताओं को इसका पता चल सकेगा। भारत दुनिया में अगरबत्तियों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है। यहां सालाना करीब 8000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है और 150 से ज्यादा देशों को लगभग 1200 करोड़ नए मानक में कीटनाशक रसायनों के रुपये की अगरबत्तियों का निर्यात होता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अगरबत्ती में उपयोग के लिए निषिद्ध पदार्थों की एक सूची भी तय की है। सूची में एलेथ्रिन, पर्मेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन

कोफोर्ज की झोली में आई बड़ी कंपनी एनकोरा



नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड आईटी कंपनी कोफोर्ज एआई फर्म एनकोरा में 2.35 अरब डॉलर (लगभग 21,133 करोड़ रुपये) के उद्यम मूल्य पर 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। यह अधिग्रहण पूरी तरह शेयरों के माध्यम से किया जाएगा। इसके तहत कोफोर्ज, एनकोरा के मौजूदा हिस्सेदारों को लगभग 1.89 अरब डॉलर मूल्य के प्रेफे्रिशियल शेयर जारी करेगी। डील पूरा होने के बाद विवेका की कोफोर्ज की बड़ी हुई शेयर पूंजी में करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि कंपनी ने एडवेंट इंटरनेशनल, वारबर्ग पिनकस और अन्य अल्पांश हिस्सेदारों से एनकोरा के 100 प्रतिशत शेयर के

एनकोरा का राजस्व



सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सर्विस प्रोवाइड करने वाली एआई-आधारित कंपनी एनकोरा का वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 60 करोड़ डॉलर का राजस्व और करीब 19 प्रतिशत कर पूर्व आय (एबिटा) रहने का अनुमान है। कंपनी के अनुसार, इस अधिग्रहण से कोफोर्ज एक 2.5 अरब डॉलर की आईटी कंपनी के रूप में उभरेगी। अधिग्रहण के लिए अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस खबर के बीच कंपनी के शेयर में शुक्रवार को बिकवाली मोड़ में था। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन कोफोर्ज के शेयर करीब 4 पर्सेंट टूट गए।

बिकवाली, रुपये की गिरावट और वैश्विक हलचल के बावजूद स्थिर रही आर्थिक स्थिति



नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल घरेलू बाजार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दुनिया में व्यापार से जुड़े तनाव, निवेशकों विदेशी की लगातार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के असर से बाजार में कई बार उतार-चढ़ाव आया। लेकिन भारत की घरेलू आर्थिक स्थिति कुल मिलाकर स्थिर बनी रही। वर्ष 2025 को भारतीय शेयर बाजार के लिए धैर्य और स्थिरता के साल के रूप में याद किया जाएगा। वैश्विक अनिश्चितता और बदलते आर्थिक संकेतों ने निवेशकों के धैर्य की परीक्षा ली। दुनिया में व्यापार से जुड़े तनाव, निवेशकों विदेशी की लगातार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय

सोने की बढ़ौलत फिर बढ़ा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार



बीते 19 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.36 बिलियन की बढ़ोतरी देखी है

सप्ताह सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.368 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 1.689 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर 693.318 बिलियन तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में बढ़ोतरी हुई है। 19 दिसंबर

बनेंगे बड़े बैंक; वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मिलेगी मजबूती



सरकारी बैंकों के विलय में अगले साल तेजी

चार बड़े बैंकों के विलय की घोषणा की गई। इससे इनकी कुल संख्या 2017 के 27 से घटकर 12 हो गई। 1 अप्रैल, 2020 से यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में विलय हो गया। सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में विलय हो गया। आंध्र बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय हो गया। दो लाख करोड़ तक हो सकता है फायदा: मौजूदा रुझान को देखते हुए सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ 2025-26 के अंत तक 2 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। 2024-25 में यह रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये था। 2023-24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये इन बैंकों ने कमाए थे।

विदेशी बैंकों और पीई फंड्स का बढ़ा भरोसा



वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र में 1.35 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार 2047 तक विकसित भारत के विकास के अगले चरण को रफ्तार देने के लिए देश में बड़े बैंकों की दिशा में काम तेजी से शुरू कर दिया है। अगले साल से इसका नतीजा दिखने भी लगेगा। छोटों को बड़े बैंकों में मिलाकर वैश्विक स्तर के चार-पांच बैंक बनाए जाने की योजना है। इससे घरेलू बैंकों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। पिछले महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि भारत को कई बड़े, विश्व स्तरीय बैंकों की जरूरत है। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। इस समय 12 सरकारी बैंक हैं। देश का सबसे बड़ा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) एकमात्र बैंक है जो परिसंपत्तियों के आधार पर वैश्विक शीर्ष-50 बैंकों में शामिल है। यह 43वें स्थान पर है। निजी क्षेत्र का एचडीएफसी बैंक 73वें स्थान पर है। बड़े बैंकों के निर्माण के उद्देश्य से सरकार ने पहले दो बार विलय प्रक्रिया चलाई थी। अगस्त, 2019 में

गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा



आलोच्य अवधि के दौरान भारत के गोल्ड रिजर्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 19 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार के वैल्यू में 2.623 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। एक सप्ताह पहले भी इसमें 758 मिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने के भंडार का वैल्यू बढ़ कर 110.365 बिलियन का हो गया है।

चार महीने से भी कम में 17.34 लाख का प्रॉफिट



लिरिंग के बाद से ही सेंकेट बना हुआ है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकेयर के शेयरधारकों की चांदी हो गई है। कंपनी के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग में पैसा लगाने वाले निवेशकों ने आईपीओ के बाद से ही मालामाल होना शुरू कर दिया था। बाजार में उथल-पुथल के बावजूद अनोनदिता मेडिकेयर 2025 के सबसे बड़े वेल्थ क्रिएटर शेयरों में से एक बन गया है। सितंबर की शुरुआत में शेयर बाजार में कदम रखने के बाद कंपनी के शेयर 145 रुपये के इश्यू प्राइस से 90 प्रतिशत ऊपर 275.50 रुपये पर लिस्ट हुए। इसके बाद शेयर लगातार 5 प्रतिशत के अपर सर्किट को छूते हुए 910 रुपये तक पहुंच गए, जो आईपीओ प्राइस से लगभग 528 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

जिन निवेशकों ने न्यूनतम रिटेल अलॉटमेंट के तहत 2,000 शेयर खरीदे थे और अब तक निवेशित रहे, उनके निवेश का मूल्य चार महीने से भी कम समय में लगभग 17.34 लाख रुपये बढ़ गया है। इस शानदार प्रदर्शन ने अनोनदिता मेडिकेयर को 2025 के अब तक के सर्वश्रेष्ठ एसएमई आईपीओ में भी शुमार कर दिया है। ट्रेडलाइन डेटा के अनुसार, 24 दिसंबर तक 260 एसएमई इश्यू भारतीय शेयर बाजार में आए हैं, जो 2024 के 247 और 2023 के 177 इश्यू से ज्यादा है। हालांकि, आईपीओ के लिए यह साल रिकॉर्ड-ब्रेकिंग रहा है। लेकिन, लिस्टिंग के बाद का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। कुल 366 इश्यू (मेनबोर्ड आईपीओ सहित) में से लगभग 50 प्रतिशत यानी 135 स्टॉक अभी भी अपने इश्यू प्राइस से नीचे कारोबार कर रहे हैं।

रात में सिर्फ 3.5 घंटे काम करके 2.69 करोड़ की कमाई, दुनिया को करारा जवाब दे रहा शख्स



नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के उद्यमी उत्कर्ष अमिताभ की। उन्होंने आज के डिजिटल युग में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ताकत को दिखाया है। अपनी मुख्य जिम्मेदारियों और एक नवजात शिशु की देखभाल के साथ उत्कर्ष ने एआई ट्यूटर्स के जरिए एक ऐसा पार्ट-टाइम मॉडल पेश किया है जिससे वह हर घंटे 18,000 रुपये की राशि कमाई कर रहे हैं। उत्कर्ष मोट में सिर्फ 3.5 घंटे काम करते हैं। कुछ महीनों के भीतर 2.69 करोड़ रुपये की बंपर कमाई करके उन्होंने यह साबित किया है कि सही कौशल और तकनीक के कॉम्बिनेशन से पार्ट-टाइम काम को भी एक बड़े इनकम सोर्स में बदला जा सकता है। वह उन लोगों को भी करारा जवाब दे रहे हैं जो एआई के बारे में दावा करते हैं कि ये नौकरियां छीन लेगी। आइए, यहां उत्कर्ष अमिताभ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

एआई से बंपर कमाई



उत्कर्ष अमिताभ वर्तमान में ब्रिटेन में रहते हैं। उन्होंने एआई कौशल की मदद से कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वह प्रति घंटा लगभग 200 डॉलर (करीब 18,000 रुपये) कमा रहे हैं। ताजुब की बात यह है कि इस भारी-भरकम राशि को कमाने के लिए वह दिन-रात काम नहीं करते। अलबत्ता, हर रात केवल 3.5 घंटे एआई ट्यूटर्स पर बिताते हैं। जनवरी 2025 से शुरू हुए इस सफर में उन्होंने अब तक करीब 3 लाख डॉलर यानी 2.69 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई कर ली है। उत्कर्ष की यह यात्रा तब शुरू हुई जब माइक्रो1 नाम के एक डेटा-लेबलिंग स्टार्टअप ने उनसे संपर्क किया।

वसूली कर रहे फर्जी जीएसटी अधिकारी को धुना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रांची। मानगो के आजाद नगर थाना क्षेत्र जवाहर नगर रोड नंबर 16 के पास शुक्रवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक खुद को दिल्ली से आया जीएसटी अधिकारी बताकर दुकानों में वसूली करने पहुंच गया। युवक का अंदाज इतना आत्मविश्वास भरा था कि शुरूआत में कई दुकानदार उसकी बातों में आ गए, लेकिन थोड़ी ही देर में उसकी सच्चाई सामने आ गई। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, युवक दुकान-दुकान घूम कर कह रहा था कि इलाके के अधिकांश दुकानदारों का जीएसटी अपडेट नहीं है और इसके लिए तत्काल जुमाना भरना होगा। वह दुकानदारों को डराते हुए यह भी कह रहा था कि अगर अभी पैसे नहीं दिए गए तो उनकी दुकानें सील कर दी जाएंगी। सरकारी कार्रवाई का डर दिखाकर वह मनमाने ढंग से रकम की मांग करने लगा।

कार्रवाई का डर दिखा पैसे की कर रहा था मांग पुलिस जांच में आरोपित निकला नशेड़ी अधिकांश दुकानदारों का नहीं है जीएसटी अपडेट

शुरूआत में कुछ दुकानदार घबरा गए, लेकिन जब युवक की मांग बढ़ने लगी और उसके जवाबों में विरोधाभास दिखा, तो कुछ सजग दुकानदारों को शक हो गया। उन्होंने आपस में

बातचीत कर युवक से पहचान पत्र, नियुक्ति पत्र और आधिकारिक दस्तावेज दिखाने की मांग कर दी। आरोप है कि इस पर युवक घबरा गया और कोई भी वैध कागजात नहीं दिखा सका। उसकी बातों का कोई सिर-पैर नहीं था, जिससे लोगों का संदेह और गहरा गया। सच्चाई सामने आते ही स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने युवक को पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर दी और उसे वहीं रोक कर रखा। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत आजाद नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए युवक को भीड़ से सुरक्षित निकालकर अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद उसे थाना ले जाया गया, जहां पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है।

सत्संग कार्यक्रम में मंत्र मुग्ध हुए श्रोता

दो दिवसीय विशेष सत्संग कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रूखुटी। जिले के महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुरहू ग्राम में दो दिवसीय विशेष सत्संग कार्यक्रम में प्रवचन के दौरान भागलपुर आश्रम के स्वामी डा निर्मलानंद जी महाराज ने कहा कि संत हृदय नवनीत समाना , संतों का हृदय मक्खन की तरह होता है, तुरंत दूसरों का दुःख देखकर पिघल जाता है। उन्होंने

कहा कि प्रभु ईसा मसीह के सामने कुछ लोग एक व्यक्ति को बुरा कहकर पत्थर मारनेवाले थे,ईसा मसीह ने लोगों को समझाया कि पत्थर वहीं मारे, जिसने कभी गलत कार्य नहीं किया है लोग शांत हो गये और ईशु ने उसे गले लगाया और सत्संग ज्ञान से उसके हृदय को परिवर्तित कर अच्छा जीवन जीने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि रामकृष्ण परमहंस जी महाराज कहते थे कि निंदक की बातें सुनकर अपने आप में सुधार लाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सत्संग लोगों को जोड़ने का काम करता है,आपस में प्रेम बढ़ाता है। इससे को आा जैसा कर्कश वाणी वाला मनुष्य भी कोयल सा मधुर बोलने लगता है।



बगुला सत्संग के प्रभाव से हंस बन जाता है। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि पुण्य और परमात्मा की कृपा के बिना सत्संग नहीं मिलता। सत्संग के बिना विवेक यानी सही ज्ञान नहीं प्राप्त हो सकता है।

स्वामी बालकृष्ण जी महाराज, स्वामी श्याम बाबा, स्वामी अखिलेश, लाहिरी बाबा, मुरलीधर बाबा, दिगंबर बाबा आदि ने संतों और सत्संग की महिमा बताई। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, संजय सत्संगी, बिरसा ब्रह्मचारी,मूचीराय मुंडा, कांडे मुंडा, रामहरि साव,हरि मुंडा, मुट्ठर मुंडा,धर्मराज कुमार, हरिद्वार ठाकुर,देवमन पुर्ति, अमर सिंह आदि उपस्थित थे।

स्टेशन पर कांपते मिले बच्चे, आरपीएफ ने किया रेस्क्यू

आपरेशन नन्हे फरिश्ते का दिखा असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत रेल सुरक्षा बल और क्राइम इंटीलिजेंस ब्रांच ने आपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत शनिवार को धनबाद स्टेशन से दो लापता बच्चों को रेस्क्यू किया। जब आरपीएफ सीआइबी के निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम के नेतृत्व में टीम प्लेटफार्म नंबर आठ पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान दक्षिण छोर पर टीम की नजर दो नाबालिग बच्चों पर पड़ी, जो कड़ाके की ठंड में बिना पर्याप्त कपड़ों के टिडुर रहे थे। उनके साथ कोई अभिभावक नहीं था। पूछताछ में बच्चों की पहचान रांशा गाराई (12 वर्ष) और बल्लू महली (12 वर्ष) (बदले हुए नाम) के रूप में हुई, जो पश्चिम

सिंहभूम (चाईबासा) के सोनुआ थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। बच्चों ने बताया कि वे बिना बताए करीब पांच दिन पहले घूमने की नियत से घर से भाग निकले थे और भटकते हुए धनबाद पहुंच गए। वहीं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बच्चों को आरपीएफ कार्यालय लाया गया, जहां उन्हें भोजन और राहत दी गई। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) को सूचित किया गया। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद, दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश करने हेतु बाल सहायता केंद्र रेलवे धनबाद को सुपुर्द कर दिया गया है।

साथ ही बच्चों के परिजनों की जानकारी के लिए संबंधित स्थानीय थाने को भी सूचित कर दिया गया है। रेस्क्यू टीम में सऊिन सुशील कुमार, ब्रजेश कुमार, अमित प्रसाद, मो. तनवीर खान और विकास कुमार शामिल थे।

जिपलाइन साइक्लिंग के दौरान बंगाल की तीन युवतियां हुई अचेत

वन विभाग व नेचर सफारी की टीम ने पहुंचाया अस्पताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बिहारशरीफ। नेचर सफारी में जिपलाइन साइक्लिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का रोमांच पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। पश्चिम बंगाल की तीन युवतियां इस गतिविधि का अनुभव करने के लिए तैयार हुईं, लेकिन जिपलाइन साइक्लिंग के दौरान वे अचेत हो गईं। उन्हें तुरंत नेचर सफारी प्रबंधन और वन विभाग की ओर से अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी युवतियां अब स्वस्थ हैं। पश्चिम बंगाल के कोलकाता से राजगीर घूमने आईं भारत स्काउट एंड गाइड्स की 60 सदस्यीय टीम ने नेचर सफारी के प्लास स्काई वाकब्रिज और अन्य गतिविधियों का आनंद लिया। जिपलाइन साइक्लिंग के दौरान एडवेंचर्स इंचार्ज और विशेषज्ञों ने उन्हें हार्नेस, सेफ्टी बेल्ट और हेलमेट जैसे सुरक्षा उपकरण प्रदान किए। इस गतिविधि में नीतू चौधरी और मनीषा दास ने डबल सीटर जिपलाइन साइक्लिंग का अनुभव किया, लेकिन जैसे ही वे प्लेटफार्म से नीचे उतरीं कि दोनों बेहोश हो गईं। इस बीच, खुशी सिंह ने जब स्टार्टिंग वाइंट प्लेटफार्म से आगे बढ़ने की कोशिश की, तो वह डर से कांपने लगीं। एडवेंचर्स इंचार्ज ने उन्हें हौसला देने की कोशिश की,



लेकिन खुशी साइकिल की सीट से खिसककर हवा में लटकीं और अचेत हो गईं। हालांकि, एडवेंचर्स इंचार्ज और अन्य वनकर्मियों ने उन्हें राहत पहुंचाई। नेचर सफारी की एंबुलेस से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। वहां भारत स्काउट एंड गाइड्स की टीम लीडर सुवर्णा मालाकार और डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर चिरंजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि नालंदा वन प्रमंडल और नेचर सफारी प्रबंधन के सभी वरीय और कनिष्ठ वनकर्मियों की तत्परता से तीनों युवतियां अब स्वस्थ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नेचर सफारी की विभिन्न एडवेंचर्स गतिविधियों के दौरान सुरक्षा को लेकर वन विभाग की क्षमता पर्यटकों में बेफिक्री का माहौल पैदा करती है।

झारखण्ड-बिहार

शीतलहर से लोग हलकान

रांची। जिले में शीत लहर के प्रभाव के चलते अधिकारियों ने शुक्रवार को निर्णय लिया कि जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक की कक्षाएं 27 से 31 दिसंबर तक स्थगित रहेंगी। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, रभारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत, रांची जिले में संचालित सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी स्कूलों को 27 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक केजी से कक्षा 12 तक की कक्षाएं निलंबित करने का निर्देश दिया गया है। इस आदेश में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी चेतावनी का हवाला दिया गया है, जिसमें झारखंड में अगली सूचना तक भीषण ठंड और शीत लहर की स्थिति का पूर्वानुमान लगाया गया है। इसमें कहा गया है, यह ध्यान देने योग्य है कि रांची जिले को येलो जोन में रखा गया है।

आद्रा मंडल की 10 ट्रेनें रह



नवबिहार टाइम्स संवाददाता चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में होने वाले विकास कार्यों के चलते रेल प्रशासन ने 30 दिसंबर से लेकर 04 जनवरी 2026 के बीच 10 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है, जबकि 10 ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही रोक दिया जाएगा।

ये ट्रेनें निर्धारित स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी।यानी शॉर्ट टर्मिनेशन और शॉर्ट ओरिजिनेशन कर चलेंगी।वहीं, 04 ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है।

इस फैसले का असर झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के हजारों यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गया। मगध पुस्तक मेला सह सांस्कृतिक महोत्सव के तीसरे दिन कार्यक्रमों की श्रृंखला ज्ञान, रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों से भरपूर रही।दिन के प्रथम सत्र में मगध मेधा प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता और महाविद्यालय स्तर पर गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण रहा, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और संवेदनशील विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं महाविद्यालय स्तरीय गायन प्रतियोगिता में चालीस से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से दर्शकों के साथ निर्गोचर मंडल को भी प्रभावित किया। इस अवसर पर जहानाबाद के पूर्व सांसद और जनता दल युनाइटेड के वरिष्ठ नेता अरुण कुमार ने पुस्तक मेला परिसर में शिरकत की। गैलेंट इंडिया फाउंडेशन के कार्यक्रम पदाधिकारी मनीष कुमार ने उन्हें अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर सम्मानित

बस स्टैंड में प्रेमी-प्रेमिका का हाई वोल्टेज ड्रामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता दुमका। बस स्टैंड में शादी से इंकार कर भागे रहे प्रेमी संतोष मंडल को उसकी प्रेमी ने ही पकड़ लिया।

जमकर हंगामा होने पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को हिरासत में लेकर थाना ले आई। जहां दोनों से पूछताछ की जा रही है। युवती ने बताया कि शहर के एक निजी बैंक में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी संतोष मंडल के साथ पांच साल से लिव इन रिलेशनशिप में रह रही है। युवक ने शादी के नाम पर कई बार यौन शोषण किया। दो दिन पहले यह कहकर बुलाया कि शादी कर लेगा। अब शादी से मना कर रहा है। युवती का कहना है कि अब वह कहता है कि घरवाले उससे इसलिए शादी नहीं करने दे रहे हैं कि वह कुछ हेन्दी है। यह बात युवक को रिरता बनाने से पहले सोचना चाहिए था। युवक का कहना है कि युवती दो बार भांगकर उसके पास आयी थी। अब शादी का दबाव बना रही है। युवक ने जब युवती से पीछा छुड़ाकर भागने का प्रयास किया तो लोगों ने उसे धर दबोचा। बस स्टैंड के लोगों से जानकारी मिलते हीपुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को पैदल ही थाना लेकर आई।

निगम ने संस्थानों से अपील की है कि विज्ञापन लगाने से पहले नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी से लिखित अनुमति अवश्य प्राप्त करें।

प्रदूषण के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता धनबाद। झारखंड का धनबाद शहर प्रदूषण की मार से हलकान-पेशान है। यहां का हवा झारखंड में सबसे खराब है। कई मेट्रो सिटी से भी अधिक यहां की हवा प्रदूषित है।

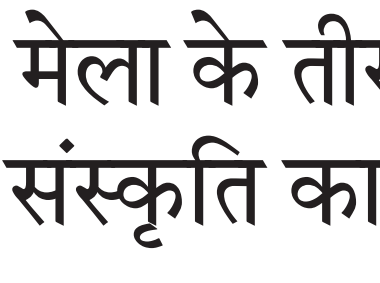
प्रदूषण के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। पर्यावरण बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले शुक्रवार को पुटकी क्षेत्र में प्रदूषण और धूलकण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। सर्व प्रथम कच्ची बलिहारी देशवाली से जुलूस निकाला गया जिसमें कच्ची बलिहारी, साउथ बलिहारी, बीच बलिहारी, बरारी कोक, कुस्तौर केंदुआ, करकेंद, पुटकी, अरलगड़िया, शहरपुरा सहित आस पास के लोग शामिल थे। कच्ची बलिहारी देशवाली मां मंदिर में लोग एकत्रित होकर जुलूस निकले। जो पुटकी बाजार होते हुए नेहरू पार्क, करकेंद के समीप मैदान पहुंचे और धरना में तब्दील हो गया। हजारों की संख्या में शामिल महिला, पुरुष हाथों में प्रदूषण के खिलाफ लिखी तख्तायें लेकर चल रहे थे। प्रदूषण मुक्त वातावरण नहीं होता तो आंदोलन उड़ किया जाएगा। धरनास्थल पर पीबी एरिया के अधिकारी वार्ता के लिए आमंत्रित करने पहुंचे। ग्रामीणों ने कार्यालय के बदले धरनास्थल पर ही जीएम से बात करने की मांग की। जीएम जेपी मेहता मौके पर पहुंचे। विधायक राज सिन्हा भी पहुंचे और सीएमडी से बात कर जीएम से भी बात कराई गई। प्रदूषण पर तत्काल निर्यात्रित करने को लेकर 36 घंटे का समय दिलाया। ग्रामीणों ने लिखित आश्वासन की मांग की, जिस पर बीसीसीएल अधिकारियों ने सहमति जताई।निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि

राष्ट्रपति के आगमन को ले प्रशासन अलर्ट मोड में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रांची। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 से 30 दिसंबर तक झारखण्ड के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर रांची की पुलिस पूरी तरह से अलर्ट के मूड में है। उनकी सुरक्षा और कार्यक्रमों के संचालन को लेकर राजधानी रांची में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव भी किय गए हैं। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लोकभावन तक सड़क के दोनों तरफ ट्रैफिक पुलिस के द्वारा बेरिकेडिंग किया गया है। इससे सुरक्षा के दृष्टि से राष्ट्रपति के काफिले किसी तरह की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हो पाए। ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि एंबुलेंस, दमकल और अन्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को इन प्रतिबंधों से पूरी छूट दी जाएगी। 28 दिसंबर को शाम चार बजे से रात 8.30 बजे तक सभी छोटे बड़े मालवाहक वाहन, बसें और सवारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। भारी मालवाहक वाहन रिंग रोड के जरिए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। रातू और काटीटांड की ओर जाने वाले वाहन कांकि रिंग रोड का उपयोग करेंगे। हिन्दू चौक, बिरसा चौक, पचईसी गेट, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटेलिस चोक, राम मंदिर चौक, एटीआई मोड़, रणधीर वर्मा चौक, एसएमपी आवास और लोक भवन मार्ग पर दोपहर दो बजे से रात 8.30

ट्रैफिक व्यवस्था में किया गया बदलाव सड़क के दोनों ओर की गयी बेरिकेडिंग

बजे तक सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। 29 दिसंबर को सुबह सात बजे से 11 बजे तक और शाम चार बजे से रात 8.30 बजे तक वाहनों का प्रवेश और परिचालन बंद रहेगा। नया सराय रिंग रोड से रामपुर चौक रिंग रोड तक बड़े वाहनों और बसों की आवाजाही पर रोक रहेगी। जमशेदपुर और बुंदू की ओर से आने वाले वाहन टाटीसिल्वे होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे। खरसीदाग ओपी से सदाबहार चौक के बीच भी बड़े वाहनों और बसों का परिचालन नहीं होगा। रांची के ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार तीन दिनों तक अलग अलग समय पर शहर के कई हिस्सों में ट्रैफिक प्रतिबंध लागू रहेंगे। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त मार्गों की भी अस्थायी रूप से डायवर्ट किया जा सकता है।



किया। उन्होंने पुस्तक मेला परिसर में स्लम क्षेत्र में संचालित प्रगति केंद्र के स्टॉल का उद्घाटन किया, जहां पुस्तक के बदले पुस्तक बदलने की अनूठी पहल की गई है। अपने संबोधन में अरुण कुमार ने कहा कि पुस्तक मेले ज्ञान, संस्कृति और वैचारिक समृद्धि के सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से पुस्तकों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि अध्ययन से ही एक समावेशी, जागरूक और सशक्त समाज

का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। तीसरा दिन विशेष रूप से गीत-संगीत को समर्पित रहा, जिसकी थीम जश्न-ए-महफिल थी। रात्रिकालीन सत्र में ऋषि कुमार, शशि दुबे और उनकी टीम ने देशभक्ति गीतों, सुफी गायन और गजलों की शानदार प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक संस्था में युवा गायिका शालिनी ने पारंपरिक लोक गीतों से पंडाल को लोक रंग में रंग दिया, जबकि लोक गायिका पायल की गायकी पर दर्शक देर तक तालियां बजाते रहे। लोक के कार्यक्रमों में मगध मेधा प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर नाटक प्रतियोगिता आयोजित होगी। यह दिन शिक्षा विशेष के रूप में माना जाएगा। अपराह्न सत्र में कठपुतली और पुतली कला विशेषज्ञ अलका सप्तसena की कार्यशाला होगी, जबकि संस्था सत्र में तीरंदाजों की प्रस्तुति और इसके बाद कवि सम्मेलन प्रस्तावित है। मगध पुस्तक मेला निरंतर ज्ञान, कला और संस्कृति को साझा मंच प्रदान कर जनमानस को साहित्य और रचनात्मकता से जोड़ रहा है।

पेसा कानून को सार्वजनिक करने की प्रतिपक्ष ने रखी मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि कैबिनेट से पारित किए गए पेसा एक्ट के प्रस्तावों को राज्य सरकार छिपा रही है।

मरांडी ने राज्य सरकार से इसे सार्वजनिक करने की मांग की है। मरांडी ने आरोप लगाया है कि कोई ऐसी बात इस प्रस्ताव में है जिसे छिपाया जा रहा है। एक तरफ सरकार पेसा प्रस्ताव पारित करने के नाम पर खूब स्वागत करवा रही है, लेकिन यह बताते से भाग रही है कि आखिर उस प्रस्ताव में है क्या। जिस समाज के विषय में ,जिनकी शासन व्यवस्थाओं से संबंधित यह पेसा एक्ट है, आज उसी समाज को वास्तविक स्थिति पता नहीं है। उन्होंने राज्य सभियों से जल्द पारित प्रस्ताव को सार्वजनिक करने की मांग की ताकि जनता को दिग्भ्रमित

होने से बचाया जा सके।

इसके अलावा बाबूलाल मरांडी ने कहा कि निकाय चुनाव दलीय आधार पर होना चाहिए।इससे दलों के माध्यम से सेवा कार्य करने वाले कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि बनकर और अधिक सक्रियता के साथ सविधान के दायरे में जनता की सहायता कर सकेंगे।

गैर दलीय चुनाव को मरांडी ने स्वच्छ लोकतंत्र के लिए सही नहीं बताया। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी पेसा प्रस्ताव पारित होने के बाद सार्वजनिक नहीं किए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। मुंडा ने कहा कि पेसा नियमावली अधिसूचित क्षेत्रों में रूढ़ि जाय परंपरा, व्यवस्थाओं पर आधारित है। यह एक प्राचीन पारंपरिक सुशासन और स्वशासन व्यवस्था को संरक्षित और संबंधित करता है। मुंडा ने कैबिनेट से पारित प्रस्ताव को पब्लिक डोमेन में सार्वजनिक करने की मांग की।

निग्रोस के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

नियमों को दरकिनार कर आउटसोर्सिंग कंपनियों के माध्यम से खनन कराया जा रहा है, जो सरासर गलत है। उन्होंने प्रबंधन से अपील किया कि नियमों के अनुसार काम करें और हमलोग को स्वस्थ रहने दें। वहीं विधायक जयराम महतो ने कहा है कि बीसीसीएल जानबूझ कर नियमों का उल्लंघन कर रहा है। जिससे मानव जीवन के लिए बहुत ही नुकसान दायक है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत खनन के दौरान वायु, जल और भूमि प्रदूषण की रोकथाम अनिवार्य है, लेकिन इसका खुरेआम उल्लंघन हो रहा है। अगर कोई कंपनी खनन के दौरान इन विषयों पर ध्यान नहीं रखती है तो उन पर कार्रवाई करने का आदेश है। लोगों ने कहा कि मगर अधिकारी व प्रशासन के साथ गठजोड़ है। जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। जिसे लेकर हमलोगों को

संघर्ष करनी पड़ती है।बीसीसीएल इसका रोकथाम जल्द से जल्द करें नहीं तो आंदोलन किया जाएगा। विधायक राज सिन्हा ने बताया कि मुझे धरना की जानकारी मिलते ही यहां पहुंच कर सीएमडी से बात की। उन्होंने पीबी के जीएम को निर्देश दिया है कि बड़े टैंकर से पानी गिराएं और भी टैंकर से पानी गिराया जाएगा। हमलोग 36 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। अगर 36 घंटे में प्रदूषण पर काबू नहीं पाया गया तो हमलोग ओबी के डंपिंग कार्य को पूरी तरह से बंद करेंगे। वहीं जीएम जेपी मेहता से पूछे जाने पर उन्होंने किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से साफ इंकार कर दिया। उनका कहना था कि इसके लिए मैं अधिकृत नहीं हूँ। धरना में सुंदरी देवी, रामबिलास राम, धनलाल दुबे, रामदेव महतो, गुड्डू खान, प्रीतम महतो, मिथुन यादव आदि मौजूद थे

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को 68वाँ राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले



जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदब के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया। सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया। वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्ध से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता।

ध्रुव शौरी ने लगाए लगातार 5 शतक, लिस्ट ए क्रिकेट में ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

पहला भी भारतीय



राजकोट, एजेंसी। विदर्भ के ध्रुव शौरी ने राजकोट में हैदराबाद के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मैच में 77 गेंदों में नाबाद 109 रनों की पारी खेलते हुए नारायण जगदीशन के लिस्ट ए क्रिकेट में लगातार सर्वाधिक (5) शतक लगाने के रिकॉर्ड को बराबर कर लिया है। तीन नंबर पर आने के बाद शौरी ने अमन मोखाड़े और यश राठोड़ के बीच हुई 148 रनों की ओपनिंग साझेदारी का पूरा लाभ लिया। शौरी ने अपनी पारी में 9 चौके और तीन छक्के लगाते हुए विदर्भ को पहले बल्लेबाजी करते हुए 365/5 के स्कोर तक पहुंचाया। लिस्ट ए क्रिकेट में यह शौरी का आठवां शतक था। विदर्भ ने 89 रन से यह मुकाबला जीता। 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट से ही शौरी का यह शतक लगाने का सिलसिला चला आ रहा है। पिछले सीजन उन्होंने क्वाटर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में शतक जड़े थे।

अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे। हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-203 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्ध 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-123 के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-223 के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई। जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्ध, उधयवीर सिद्ध और राजकंवर सिंह संघू शामिल थे।

नंबर-1 कप्तान बनीं हरमन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 में शुक्रवार को हराकर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम लगातार चौथी टी20 सीरीज जीती। वह सिर्फ एक बार श्रीलंका से टी20 सीरीज हारी है। ऐसा 2014 में हुआ था जब दोनों टीमों ने भारत में पहली सीरीज खेली थी। इस जीत के साथ हरमनप्रीत कौर दुनिया की सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली महिला टी20 कप्तान बन गईं। हरमनप्रीत कौर ने लगातार तीसरे मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और भारतीय टीम ने पूरे मैच में दबदबा दिखाया। रेणुका ठाकुर की 4 विकेट और दीप्ति शर्मा की 3 विकेट के बदौलत भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम को 20 ओवर में 7 विकेट



पर 112 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद शैफाली वर्मा की लगातार दूसरे टूफानी अर्धशतक की मदद से 13.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि, भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना की फॉर्म चिंताजनक है। लगातार तीसरे मैच में वह फेल रहें। हरमनप्रीत कौर ने भारत की

टी20 कप्तान के तौर 77 वीं जीत हासिल की। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग से आगे निकल गईं। हरमन ने 130 मैच में कप्तानी की है। लेनिंग ने 100 मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली थी इंग्लैंड ने हीथर नाइट की कप्तानी में 96 मैचों में 72 में जीत हासिल की।

सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

सूर्या करिश्मा और श्रुति मुंडाडा ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में जगह बनाई



विजयवाड़ा, एजेंसी। सूर्या करिश्मा तामिरी और श्रुति मुंडाडा ने शुक्रवार को सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेर किया। इन दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सूर्या करिश्मा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुई को सीधे गेम में मात दी, जबकि श्रुति मुंडाडा ने दूसरी वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय को बाहर का रास्ता दिखाया। सूर्या करिश्मा ने 36 मिनट तक चले क्वाटर फाइनल मुकाबले में टॉप सीड उन्नति हुई

को 21-12, 21-15 से मात दी, जबकि श्रुति मुंडाडा ने दूसरी सीड और पूर्व नेशनल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय को 22-20, 21-12 से हराया।

यह मुकाबला 39 मिनट तक चला। अब सेमीफाइनल में सूर्या करिश्मा का मुकाबला रश्मिता श्री से होगा, जिन्होंने वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की रिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा को 16-21, 21-14, 21-18 से शिकस्त दी है। पुरुष सिंगल्स कैटेगरी में, टॉप सीड किरण जॉर्ज ने 41 मिनट तक चले

मुकाबले में 11वीं सीड रौनक चौहान को 21-18, 21-18 से मात दी। अब उनका मुकाबला 2024 ओडिशा ओपन चैंपियन ऋत्विक् संजीव एस से होगा, जिन्होंने दूसरे क्वाटर फाइनल में सतीश कुमार को 21-13, 22-20 से हराया है। दूसरे सेमीफाइनल में, एम. तरुण का मुकाबला भरत राघव से होगा। क्वाटर फाइनल में, तरुण ने मनराज सिंह को 21-13, 22-20 से हराया, जबकि भरत ने जिनपॉल सोन्ना को 21-17, 21-13 से मात दी। महिला डबल्स में टॉप सीड ऋतुपर्णा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी प्री-क्वाटर फाइनल स्टेज में रिदुर्वर्षिणी रामासामी-सानिया सिकंदर की जोड़ी से 16-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गईं।

इससे पहले, गुरुवार को तन्वी शर्मा, रौनक चौहान और तन्वी पात्रो ने सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने-अपने विरोधियों पर शानदार जीत दर्ज करके क्वाटर फाइनल में जगह बनाई थी।

स्टार फुटबॉलर लेवानदॉस्की ने बार्सिलोना से विदाई के संकेत दिए?

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉबर्ट लेवानदॉस्की ने स्वीकार किया है कि उन्हें अभी नहीं पता कि वह आगे कहां खेलेंगे। सऊदी प्रो लीग और रूस की दिलचस्पी, बार्सिलोना की बदली हुई योजनाएं और टीम में बढ़ती प्रतिस्पर्धा उनके कैप नू से विदा होने की संभावनाओं को मजबूत कर रही हैं। एफसी बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवानदॉस्की का भविष्य अब निर्णायक दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। जनवरी ट्रांसफर विंडो के करीब आते ही उनके कॉन्ट्रैक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। मौजूदा सीजन के अंत में उनका करार खत्म हो रहा है

● **बार्सिलोना की योजनाएं बन सकती हैं बाधा-** बार्सिलोना के भीतर की रणनीति लेवानदॉस्की के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है। इस सीजन उन्होंने 18 मैचों में आठ गोल किए हैं, जबकि क्लब के लिए कुल मिलाकर 165 मैचों में 109 गोल उनके नाम हैं। बावजूद इसके, कोच हॉसी फिलक के अंड्र फेरान टोरेस का उभार टीम के अर्टिकिंग संतुलन को बदल रहा है। टोरेस अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 13 गोल कर चुके हैं।



● **रोल घटने और सैलरी कट की आशंका-** खबरों के मुताबिक, बार्सिलोना फेरान टोरेस का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे संकेत मिलते हैं कि भविष्य में लेवानदॉस्की को रोटेशन रोल में रखा जा सकता है। साथ ही, अगर उनका कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू होता है तो सैलरी में कटौती भी संभव है, जो उन्हें सऊदी अरब या अमेरिका के ऑफर्स पर गंभीरता से सोचने पर मजबूर कर सकती है।

विजय हजारे ट्रॉफी में तीसरा मैच भी खेलेंगे कोहली!

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली और रोहित शर्मा की बैटिंग का फैस ने खूब आनंद लिया. 24 दिसंबर को दोनों ने अपने-अपने पहले मैच में शतकीय पारी खेली थी. वहीं दूसरे मैच में



विराट ने 77 रन बनाए, लेकिन रोहित गोल्डन डक का शिकार बने थे. अब सवाल है कि क्या रोहित और विराट, फिर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे क्योंकि यह टूर्नामेंट 18 जनवरी तक चलने वाला है.

विराट एक और मैच के लिए तैयार!

एक अन्य रिपोर्ट अनुसार विराट कोहली भी पहले रोहित शर्मा की तरह विजय हजारे ट्रॉफी में 2 ही मैच खेलने वाले थे. लेकिन वो अब 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ मैच में खेलते दिख सकते हैं. रिपोर्ट अनुसार फिलहाल विराट बेंगलुरु से चले गए हैं, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीद बरकरार है. बताया जा रहा है कि विराट कोहली के कपड़े और सामान अभी दिल्ली टीम के साथ ही हैं. वहीं विराट कोहली 6 जनवरी को दिल्ली टीम के लिए खेलेंगे या नहीं, यह भारतीय टीम के ट्रेनिंग कैम्प पर निर्भर करेगा. क्योंकि 11 जनवरी से भारत बनाम न्यूजीलैंड 3 मैचों की हफ्तू सीरीज शुरू हो रही है.

टी20 मैच में बने 400 से ज्यादा रन

रयान रिकल्टन ने ठोका टूफानी शतक, फिर भी टीम को मिली...



डरबन सुपर जायंट्स ने बोर्ड पर लगाया बड़ा स्कोर

डरबन सुपर जायंट्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 232 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया. डरबन की पारी की नींव डेवन कॉर्नवे और केन विलियमसन की 96 रनों की सलामी साझेदारी ने रखी.

नई दिल्ली, एजेंसी। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर एसए टी-20 लीग के चौथे सीजन की शानदार शुरुआत हुई. पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन का सामना डरबन सुपर

जायंट्स की टीम से हुआ, जहां डरबन की टीम ने एक रोमांचक जीत अपने नाम की. इस मैच में फैस को खूब चौंके-छक्के देखने को मिल और दोनों टीमों ने मिलकर मुकाबले में 449 रन

रिकल्टन के शतक पर फिरा पानी

जवाब में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जल्दी विकेट गिरने से दबाव बढ़ा. रीजा हैंड्रिक्स 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रासी वैन डर डुसेन सिर्फ 2 रन ही बना सके. वहीं, निकोलस पूरन भी 15 रन पर पवेलियन लौट गए. लेकिन रयान रिकल्टन ने एक छोर संभाले रखा. उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में 113 रनों की टूफानी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 11 छक्के शामिल रहे. यह एसए टी-20 में किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के हैं. रिकल्टन ने जेसन स्मिथ के साथ 76 रनों की अहम साझेदारी भी की, जिसमें स्मिथ ने 14 गेंदों पर 41 रन ठोके. हालांकि, आखिरी ओवरों में दबाव बढ़ा. आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन बने और तीन विकेट गिरे.

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने न्यूकैसल को 1-0 से हराया

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में न्यूकैसल पर 1-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष 5 में अपनी जगह बना ली। मैनचेस्टर के लिए पैट्रिक डोगू ने शानदार गोल किया। डोगू ने 24वें मिनट में गोल दागा। यह गोल मैच का एकमात्र गोल साबित हुआ। कप्तान ब्रूनो फर्नंडीस सहित सात खिलाड़ियों के बिना, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने हाफटाइम में मेसन माउंट को भी खो दिया, लेकिन न्यूकैसल की टीम के खिलाफ मजबूती से टिके रहे, जिसके पास 66 प्रतिशत गेंद



पर आधिपत्य रहा। विजिटर्स तब करीब आए जब लुईस हॉल ने क्रॉसबार के नीचे मारा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाए। न्यूकैसल 23 अंक के साथ 11वें स्थान पर है, जबकि मेजबान टीम अंक के 18 गेम के बाद 29 अंक हैं। सप्ताह के बाकी मैच शनिवार और रविवार को होने हैं। डोगू ने यूनाइटेड के लिए अपना पहला गोल 24वें मिनट की वाली में किया, क्योंकि डिओगो डालोत का लंबा श्रो थोड़ा सिलियर हो गया था।



इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया, 2011 के बाद मिली पहली जीत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट मैच जीतने का इंग्लैंड का लंबा इंतजार समाप्त हो गया है। मेलबर्न में खेले गए एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे ही दिन 4 विकेट से हरा दिया। जीत इंग्लैंड के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के लिए बेहद अहम है। इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का लक्ष्य मिला था। जीत के लिए मिले 175 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इंग्लैंड को जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 51 रन की मजबूत शुरुआत दी। डकेट 26 गेंद पर 34 रन बनाकर आउट हुए। क्रॉली ने 37 रन बनाए। दोनों ओपनरों के अलावा जैकब बेथेल ने 40 रन की पारी खेलकर सीरीज में टीम की पहली जीत को संभव बनाया। हैरी ब्रूक 18 और जेमी स्मिथ 3 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 6 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाकर मैच जीता। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 4 रन से की थी। पहले विकेट के रूप में स्कॉट बोलेंड 22 के स्कोर पर आउट हुए। बोलेंड 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरे

मेलबर्न टेस्ट

गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 152 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए जोश टंग ने 5, गस एटकिंसन ने 2, और ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिए थे।

मेलबर्न टेस्ट का नतीजा 142 ओवर में आ गया। इस दौरान 36 विकेट गिरे। 2011 जनवरी के बाद इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट जीत मिली है।

संक्षिप्त समाचार

बनेंगे 5 ऑटोमेटेड वाहन फिटनेस टेस्टिंग स्टेशन, सीएम ने किया ऐलान



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार दिल्ली में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तेजी से ऑटोमेटेड कॉमिशियल व्हीकल फिटनेस टेस्टिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। इलेक्ट्रिकल फिटनेस सेंटर में प्रत्येक वर्ष 70 हजार वाहनों की जांच हो रही है। बुराड़ी फिटनेस सेंटर को अपग्रेड किया जा रहा है, जबकि दो अन्य केन्द्र नंदनगरी व तेरखुड में बनाए जा रहे हैं। यह दोनों अगले वर्ष मार्च में काम करने लगेंगे। ये चारों सेंटर हर साल द्वाई से तीन लाख कॉमिशियल गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट कर सकेंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार, विभिन्न डीटीसी डिपो पर भी ऐसे ही 5 ऑटोमेटेड व्हीकल फिटनेस टेस्टिंग स्टेशन (बवाना, गाजीपुर, सावदा घेवरा, जीटीके डिपो, दिवाऊ कला) में लगाने का निर्णय लिया गया है। वहीं, कोरोना महामारी के दौरान दिल्ली में शेरार टेक्सी सेवाएं उपलब्ध थीं, लेकिन कुछ कारणों के चलते इन्हें बंद कर दिया गया था। अब सरकार इन्हें दोबारा शुरू कराकर यात्रियों को किरायायती और सुविधाजनक साझा परिवहन उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जल्द ही ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क कंपनियों के साथ एक विशेष बैठक होगी, जिसमें साझा टैक्सी सेवाओं को दोबारा शुरू करने, महिला चालकों की संख्या बढ़ाने और निजी इलेक्ट्रिक वाहनों को टैक्सी सेवा से जोड़ने की संभावनाओं पर विस्तार से विचार किया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि अधिक यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और किरायायती परिवहन उपलब्ध कराया जाए, जिससे सड़कों पर भीड़घटे और प्रदूषण में कमी आए। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली सरकार राजधानी की टैक्सी सेवाओं में महिला चालकों की संख्या भी बढ़ाना चाहती है, ताकि महिला यात्रियों को सुरक्षित और भरोसेमंद यात्रा का भी विकल्प मिल सकें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विभिन्न शोध बताते हैं कि वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है। इसलिए दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने के लिए लगातार निवेश कर रही है।

सड़क बनवाने के लिए भी क्या अदालत के पास आना होगा.. दिल्ली हाईकोर्ट ने सख्ती से पूछा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक सार्वजनिक सड़क के निर्माण के लिए स्थानीय निवासियों के अदालत आने को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने सरकारी अधिकारों के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा है कि अब सड़क बनवाने या उसमें घंटिया सामग्री इस्तेमाल ना करने के लिए नागरिकों को अदालत की शरण लेनी पड़ेगी। कोर्ट ने संबंधित विभागों व अधिकारियों को कहा है वयों ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाई की जाए। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा है कि इस मुद्दे पर पहले ही अदालत विभागों को दो बार आदेश जारी कर चुकी है। पहले स्थानीय निवासियों की गुहार पर सड़क बनाने के आदेश दिए गए थे। उसके बाद सड़क बनाने के दौरान जांच में घंटिया सामग्री का खुलासा होने पर दूसरी बार निर्देश दिए गए थे। लेकिन इसके बावजूद विभागों व अधिकारियों की तरफ से अनुपालन रिपोर्ट दायर नहीं की गई। पीठ ने कहा कि इस मामले में प्रतिवादी दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अवमानना का मामला बनता है। लेकिन इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया जा रहा है। पीठ ने इस मामले में संबंधित विभागों व अधिकारियों को 22 जनवरी 2026 से पहले जवाब देने को कहा है। इस मामले में कोटला मुबारकपुर के निवासियों की तरफ से हाईकोर्ट के समक्ष टूटी सड़क का मुद्दा उठाया था। कोर्ट ने वर्ष 2023 में इस सड़क को बनाने के आदेश दिए। सड़क नगर निगम को बनानी थी, लेकिन दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने इस सड़क का निर्माण शुरू किया। इस पर स्थानीय निवासियों की तरफ से मनजीत सिंह चूध ने सड़क निर्माण में घंटिया सामग्री का मुद्दा उठाया। इंजीनियरों द्वारा इसकी जांच की गई, तो पाया कि ग्राह्य वास्तविकता में सड़क निर्माण में घंटिया सामग्री इस्तेमाल हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया बना खालिस्तानियों का नया अड्डा: निशाने पर प्रवासी भारतीय, खुफिया एजेंसियों का अहम अलर्ट जारी

सिडनी, एजेंसी। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तान समर्थक गतिविधियों को लेकर एक अहम अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों के अनुसार, कनाडा और ब्रिटेन में हाल के महीनों में सख्ती और कूटनीतिक दबाव बढ़ने के बाद खालिस्तानी नेटवर्क ने अपनी गतिविधियों का केंद्र ऑस्ट्रेलिया की ओर स्थानांतरित कर दिया है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि कनाडा और यूके में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों की रफ्तार अब धीमी पड़ रही है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में हाल के महीनों में तेजी से उभार देखने को मिला है। खालिस्तानी तत्व बड़ी मात्रा में संसाधन और प्रचार अभियान अब ऑस्ट्रेलिया में झोंक रहे हैं, जिसका सबूत वहां हुई हालिया हिंसक और उकसाऊ घटनायें हैं। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में पहले भी तथाकथित रेफरंडम कराए गए थे, लेकिन जुलाई, अगस्त और दिसंबर में इन गतिविधियों का स्तर असाधारण रूप से बढ़ गया है।



दिल्ली का पानी धीमे जहर से कम नहीं!

● नाइट्रेट का स्तर सामान्य से 22 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी।

राजधानी दिल्ली का पानी धीमा जहर बन चुका है। हाल ही में सेंट्रल ग्राउंडवाटर बोर्ड की रिपोर्ट ने दिल्लीवालों को झकझोर कर रख दिया है। भूजल में नाइट्रेट का स्तर इतना बढ़ गया है कि पीने लायक पानी अब खतरे की घंटी बजा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ट किए गए सैंपलों में 20 तब से अधिक में नाइट्रेट का स्तर सुरक्षित सीमा से ज्यादा पाया गया। कुछ सैंपलों में यह स्तर 994 द्रव/घ तक पहुंच गया, जो परमिट लिमिट से 22 गुना ज्यादा है। इस आधार पर दिल्ली देश के सबसे खराब प्रभावित केंद्रशासित प्रदेशों में पांचवें स्थान पर है।

कहां-कहां फैला जल प्रदूषण?

दिल्ली के 11 जिलों में से 7 में नाइट्रेट का उच्च स्तर मिला। इनमें न्यू दिल्ली, उत्तर दिल्ली, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम दिल्ली शामिल हैं। शहर के बड़े हिस्से में भूजल अब पीने के लिए सुरक्षित नहीं रह गया है। देश की सबसे बुरी स्थिति आंध्र प्रदेश की है, जहां नाइट्रेट का अधिकतम



स्तर 2,296 द्रव/घ तक दर्ज किया गया। वहीं, राजस्थान में सबसे ज्यादा सैंपलों (49.52 तब) में सीमा से अधिक नाइट्रेट पाया गया। दिल्ली में यह प्रतिशत 20.39 तब है, जो इसे आठवें सबसे खराब स्थान पर रखता है। पूरे देश में प्रभावित जिलों की संख्या 2017 में 359 से बढ़कर 2023 में 440 हो गई।

मानसून क्यों बन रहा दुश्मन?

आमतौर पर मानसून पानी की गुणवत्ता सुधाराता है, लेकिन नाइट्रेट के मामले में इसका उलटा असर पड़

रहा है। बारिश के बाद खेतों से उर्वरकों और पशु अपशिष्ट का रनऑफ भूजल में घुस जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, मानसून से पहले 30.77 तब सैपल खराब थे, जबकि बाद में यह आंकड़ा 32.66 तब हो गया।

उच्च नाइट्रेट स्तर शिशुओं में ब्लू बेबी सिंड्रोम का कारण बन सकता है, जिसमें ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। लंबे समय तक ऐसे पानी के सेवन से वयस्कों में कैंसर, थायरॉइड समस्या और अन्य बीमारियां हो सकती हैं। मुख्य कारण कृषि में नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग, पशु अपशिष्ट और खराब सीवेज सिस्टम से रिसाव हैं। पर्यावरण एक्सपर्ट प्रीति महेश कहती हैं, यह एक गंभीर लेकिन चुपके से फैलता स्वास्थ्य संकट है। शिशु, गर्भवती महिलाएं और कमजोर लोग सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। लाखों लोग भूजल पर निर्भर हैं, इसलिए इस समस्या पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। यह रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में पेश की गई है।

दिल्ली में पार्किंग की किल्लत होगी खत्म

5000 कारों की पार्किंग बनाएगा एमसीडी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्लीवालों को हर दिन अपनी कॉलोनियों, बड़े बाजारों और कॉर्पोरेट ऑफिस के आसपास पार्किंग को लेकर संघर्ष करना पड़ता है। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली नगर निगम ने तैयारी की है। अगले एक-दो वर्षों में निगम प्रशासन पांच हजार से अधिक कारों की पार्किंग को तैयार करेगा। इसमें मल्टी लेवल कार पार्किंग और सरफेस पार्किंग बनाने की योजना है। आयुक्त अश्वनी कुमार ने निगम में बजट प्रस्तुत करने के बाद 20 मल्टी लेवल कार पार्किंग को निगम द्वारा विकसित करने की जानकारी साझा की थी। अब इस योजना को आगे बढ़ाते हुए आयुक्त ने सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारियों को पार्किंग बनाने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, 86 से 100 कारों के लिए ऑटोमेटेड मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण के लिए 15 करोड़ लागत आती है। ग्रेटर कैलाश-1 एम ब्लॉक मार्केट

में तैयार 399 कारों की रोबोटिक पार्किंग के निर्माण में 63 करोड़ रुपये की लागत आई है। अधिकारियों के अनुसार, कर्मपुरा के व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स के आसपास, दक्षिणी दिल्ली में कई ऑफिस कॉम्प्लेक्स और बाजारों के आसपास, विकासपुरी, जनकपुरी, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, शाहदरा, पूर्वी दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर, पश्चिमी दिल्ली में नई मल्टीलेवल कार पार्किंग को तैयार करने की योजना है। निगम स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए कई स्थानों पर मल्टीलेवल कार पार्किंग विकसित करेंगे। निगम का प्रयास है कि ये नई पार्किंग अगले दो वर्षों में सभी जोन में विकसित की जाएं। इस संबंध में निगम और अधिकारियों की मुख्यमंत्री के साथ लगातार बैठक हुई हैं। इसके बाद 20 मल्टीलेवल कार पार्किंग को तैयार करने पर सहमति बनी है।

बॉर्डर खोल दो, हमें बचा लो...; बांग्लादेश में फंसे हिंदुओं की भारत से गुहार

● बांग्लादेश के हिंदूओं को सता रही इस बात की चिंता

ढाका , एजेंसी।

बांग्लादेश एक बार फिर से भी हिंसा की आग में झुलस रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। हाल में दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की भयावह हत्या कर दी गई। इस बीच त्रस्त बांग्लादेश में फंसे और सताए जा रहे हिंदू नागरिक आतंक से बचने के लिए भारत से सीमाएं खोलने की गुहार लगा रहे हैं।

इस बीच निर्वासित बांग्लादेश सनातन जागरण मंचा नेता निहार हलदर की मदद से रंगपुर, चटगांव, ढाका और मयमनसिंह में रहने वाले हिंदू नागरिकों से बातचीत की गई। टीओआई के हवाले से बताया गया कि व्हाट्सएप कॉल पर इन लोगों ने बात की गई। रंगपुर के एक 52 वर्षीय निवासी का कहना है कि वे अपने धर्म के



कारण लगातार अपमान सह रहे हैं। उन्होंने बताया कि डक पर चलते समय हमें जो ताने सुनने को मिलते हैं, वे जल्द ही भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्याओं में तब्दील हो सकते हैं। आगे कहा कि अल्पसंख्यक हिंदुओं का कहना है कि हम फंस गए हैं और

हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। हम इसलिए अपमान सह रहे हैं, क्योंकि हमें डर है कि जो दीपू या अमृत का हुआ वैसा हाल हमारा ना हो जाए। वहीं, ढाका के रहने वाले एक अन्य हिंदू निवासी ने कहा कि अगर दीपू दास की पीट-पीटकर हत्या ने डर पैदा किया

एक रात में 285 लोग गिरफ्तार

● नए साल से पहले अपराध पर पुलिस का बड़ा आघात

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली पुलिस ने नए साल के जश्न से पहले शुक्रवार को रातभर राजधानी में बड़ा ऑपरेशन चलाया। इस कार्यवाई में संगठित अपराध को रोकने के लिए सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही हथियार, ड्रग्स और बड़ी मात्रा में कैश जब्त किया गया है। साउथ ईस्ट दिल्ली पुलिस द्वारा ‘ऑपरेशन आघात 3.0’ के तहत की गई इस कार्यवाई में पूरी रात कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की गई।

डीसीपी साउथ ईस्ट हेमंत तिवारी ने बताया कि ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैबलिंग एक्ट के तहत 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। निवारक कार्यवाई के तहत 504 लोगों को पकड़ा गया। 116 बैड कैरेक्टर को पकड़ा गया है। 10 प्रॉपर्टी चोरों और पांच ऑटो-लिफ्टरों को गिरफ्तार किया गया है। 21 सीएमपी, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू जब्त किए गए। 12,258 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई। 6.01 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। जुआ खेलने वालों से 2,30,990 रुपये जब्त किए गए। 310 मोबाइल फोन बरामद किए गए। 231 दोपहिया वाहन और 1 चार पहिया वाहन जब्त/बरामद किए गए। निवारक उपायों के तहत 1,306 लोगों को पकड़ा गया।पुलिस टीमों ने ‘ऑपरेशन आघात 3.0’ से संगठित गिरोहों से जुड़े सदस्यों को निशाना बनाकर साउथ ईस्ट दिल्ली के संवेदनशील इलाकों और क्राइम हॉटस्पॉट वाली जगहों पर बड़े पैमाने पर सचें ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान संगठित अपराध, सड़क पर अपराध करने वालों और बार-बार कानून तोड़ने वालों को निशाना बनाकर 285 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान आर्मस् एक्ट, एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैबलिंग एक्ट के अलग-अलग प्रावधानों के तहत 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके



अलावा नए साल की पार्टियों के दौरान संभावित अपराधों को रोकने के लिए एहतितायती कार्यवाई के तहत 504 लोगों को हिरासत में लिया गया। आदतन अपराधियों के खिलाफ खास कार्यवाई के तहत, 116 लिस्टेड बदमाशों को पकड़ा गया, जबकि पुलिस ने छापेमारी के दौरान 10 प्रॉपर्टी चोरों और पांच ऑटो-लिफ्टरों को भी गिरफ्तार किया। इस ऑपरेशन में बड़ी मात्रा में सामान बरामद हुआ, जिसमें 21 देसी पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू शामिल हैं। पुलिस टीमों ने ड्रग्स और अवैध शराब की खप भी जब्त की गई। चोरी किए गए सामान भी बड़े पैमाने पर बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान 310 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिन्हें छीना या लूटा गया था या फिर जिनके गुम होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने वाहन चोरी के नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए पूरे जिले में तलाशी और रोक झटका देते हुए पूरे जिले में तलाशी और रोक चेंकिंग के दौरान 231 दोपहिया वाहन और

एक चार पहिया वाहन जब्त या बरामद किए। पुलिस ने कुल मिलाकर रातभर सचें ऑपरेशन चलाया, चेंकिंग, वेरिफिकेशन और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर टारगेटेड रेड की, जिसके तहत एहतितायती उपायों के तहत 1,306 लोगों को पकड़ा गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ‘ऑपरेशन आघात’ को त्योहारों के मौसम में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक निवारक हमले के रूप में डिजाइन किया गया था। जब अपराध दर में पारंपरिक रूप से वृद्धि देखी जाती है। रातभर चले इस ऑपरेशन में पुलिस की कई टीमों एक साथ काम कर रही थीं, जिन्हें लोकल इंटेलिजेंस और सर्विलांस से इनपुट मिल रहे थे। पुलिस ने कहा कि इस ऑपरेशन का मकसद राजधानी में सक्रिय आपराधिक तत्वों को एक कड़ा संदेश देना था। यह ऑपरेशन इस सीजन में राजधानी में नए साल से पहले की सबसे बड़ी कोऑर्डिनेटेड कार्यवाई में से एक है।

फलाइट में अजनबी ने सीट बदलने को बोला तो लड़की ने मान ली बात, फिर कुछ देर बाद पता लगी ऐसी बात...

लंदन, एजेंसी। हवाई यात्रा के दौरान अपनी पसंद की सीट चुनना अब एक आम बात है लेकिन क्या हो जब कोई आपके ऊपर दबाव बनाकर आपकी वो सीट छीन ले ? हाल ही में एक इंटरनेशनल फ्लाइट में एक युवा लड़की के साथ कुछ ऐसा ही हुआ जिसकी कहानी उसके पिता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की। यह पोस्ट अब इंटरनेट पर बहरा का विषय बन गई है। एक पिता ने अपनी बेटी की पहली सोलो (अकेले) इंटरनेशनल ट्रिप को आरामदायक बनाने के लिए डेउटा एयरलाइंस के प्रीमियम कैबिन में टिकट बुक किया था। पिता ने अपने माइल्स खर्च करके 2-4-2 कॉन्फिगरेशन वाली फ्लाइट में आइल सीट चुनी थी ताकि उनकी बेटी को लंबी उड़ान के दौरान उठने-बैठने में आसानी रहे। पहली बार अकेले विदेश जा रही बेटी के लिए यह सीट सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से चुनी गई थी। फ्लाइट शुरू होते ही खिड़की वाली सीट पर बैठे एक यात्री ने लड़की से सीट बदलने की गुंजायिश की। उस व्यक्ति का कहना था कि उसकी पत्नी बीच वाले सेक्शन में बैठी है और वह उसके साथ बैठना चाहता है। लड़की ने पहले मना किया लेकिन उस व्यक्ति के बार-बार आग्रह और दबाव के आगे वह झुक गई। विवाद से बचने के लिए उसने अपनी आरामदायक प्रीमियम सीट छोड़ दी और बीच वाले सेक्शन में चली गई।

जिस गांव में था सिर्फ बिल्लियों का राज वहां 30 साल बाद पहली बार गूंजी किलकारी

रोम, एजेंसी। इटली के एबुजो पर्वतमाला की ऊंचाइयों पर बसा एक छोटा सा गांव पगलियारा देई मारसी इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। दशकों से वीरान पड़ी इस गांव की गलियों में जहां सिर्फ बिल्लियों का राज हुआ करता था वहां करीब 30 साल बाद एक बच्चे के जन्म ने नई उम्मीद जगाई है। लारा नाम की इस छोटी सी बच्ची का जन्म केवल एक परिवार की खुशी नहीं बल्कि इटली के गहरे होते जनसंख्या संकट के बीच एक बड़ी खबर है।

पगलियारा देई मारसी की स्थिति इटली के कई ग्रामीण इलाकों की कहानी बयां करती है। यहां की आबादी इतनी कम हो गई थी कि इंसानों से ज्यादा बिल्लियां नजर आती

थीं। ये बिल्लियां खाली घरों की दीवारों और सुनसान गलियों में आजादी से घूमती थीं। दशकों से यहां न तो किसी बच्चे के खेलने की आवाज सुनाई दी और न ही स्कूलों की रौनक दिखी। गांव में ज्यादातर बुजुर्ग ही बचे थे। इटली इस समय यूरोप के सबसे खराब बर्थ रेट संकट से जूझ रहा है। नेशनल स्टैटिस्टिक्स एजेंसी के आंकड़े चौंकाने वाले हैं:

सबसे कम जन्म दर: 2024 में इटली में केवल 3,69,944 बच्चे पैदा हुए, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। फर्टिलिटी रेट: इटली में प्रति महिला प्रजनन दर गिरकर 1.18 रह गई है जो यूरोपीय संघ में सबसे कम 2025 की स्थिति: शुरुआती आंकड़ों के

अनुसार 2025 के पहले सात महीनों में जन्म दर में पिछले साल की तुलना में 10.2 तब की और गिरावट आई है। एबुजो क्षेत्र इस संकट का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। हमने पीढ़ी दर पीढ़ी अपने लोगों को खोया है। बुजुर्ग चले गए और उनकी जगह लेने वाला कोई नहीं बचा। लारा का आना हमारे लिए एक चमत्कार जैसा है लेकिन हम जानते हैं कि आर्थिक और सामाजिक कारणों से आज के समय में परिवार बढ़ाना लोगों के लिए कितना मुश्किल फैसला हो गया है। सिकुड़ते समुदाय और खाली होते क्लासरूम इटली की सार्वजनिक सेवाओं पर भारी दबाव डाल रहे हैं क्योंकि वहां की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है।

प्रथम दिशोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल ट्रॉफी महिला राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जीजीपीएस बीएस सिटी, बोकारो में नृत्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच प्रथम दिशोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल ट्रॉफी महिला राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2025 शुरू हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग एवं उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के माननीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विधायक टुंडी सह अध्यक्ष झारखंड ताइक्वांडो एसोसिएशन मथुरा प्रसाद महतो, विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक, उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा, ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष फिरोज अहमद, झारखंड ताइक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव संजय शर्मा एवं अन्य सम्मानित पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

17 राज्यों की 500 महिला खिलाड़ी ले रहीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा

इस राष्ट्रीय महिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप में देश के 17 राज्यों से लगभग 500



महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में आयोजित की जा रही है, जिससे खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और कौशल को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

बोकारो हर क्षेत्र में सहभागिता बढ़ाने के लिए अग्रसर : मंत्री योगेंद्र प्रसाद

अपने संबोधन में मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि बोकारो जिला खेल, शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित हर

क्षेत्र में अपनी सहभागिता निरंतर बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बच्चियों एवं उनके अभिभावकों ने जो सपने देखे हैं, वे अवश्य पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे अभिशाप नहीं बल्कि वरदान हैं और आज वे हर क्षेत्र में देश-राज्य का नाम

रोशन कर रही हैं।

मा. मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खेल के क्षेत्र में झारखंड की मजबूत पहचान : मथुरा प्रसाद महतो

विधायक टुंडी, मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड खेल के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सीधे पदाधिकारी पद



पर नियुक्ति दी जा रही है, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन एवं उपायुक्त बोकारो की प्रशंसा की तथा आगामी मार्च माह में खो-खो की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन की जानकारी दी।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी: उमाकांत रजक

इस अवसर पर विधायक चंदनकियारी,

उमाकांत रजक ने कहा कि बोकारो जिले में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं में खेल के प्रति नई जागरूकता उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड खेल के क्षेत्र में पीछे नहीं है। महेंद्र सिंह धोनी, सौरव तिवारी एवं ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का गौरव बढ़ाया है। बोकारो आने वाले समय में एजुकेशनल हब के साथ-साथ खेल

का भी प्रमुख केंद्र बनेगा।

उर को त्यागें, साहस के साथ सफलता की ऊंची छलांग लगाएं : उपायुक्त

मौके पर अपने संबोधन में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि बेटियां समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि काफी संघर्ष और कठिन परिश्रम के बाद बेटियां यहां तक पहुंची हैं और अब उन्हें और ऊंची उड़ान भरनी है। उन्होंने कहा कि ताइक्वांडो आत्मरक्षा का माध्यम है, जो यह सिखाता है कि

हम किसी से डरते नहीं हैं। यह खेल साहस, शौर्य और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रथम दिशोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल ट्रॉफी महिला राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2025 का आयोजन महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा और खेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन से न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि बोकारो जिले को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान भी मिलेगी।

ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का मार्गदर्शन

ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष फिरोज अहमद एवं झारखंड ताइक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव संजय शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने महिला खिलाड़ियों को अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

चासनाला खान हादसे की 50वीं बरसी पर नम आंखों से 375 श्रमिकों को दी गई श्रद्धांजलि

झरिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चासनाला डीप माईंस खदान दुर्घटना की 50 वीं बरसी पर शनिवार को 375 शहीद श्रमिकों को चासनाला साउथ कॉलोनी स्थित शहीद स्मारक पर नम आखों से श्रद्धांजलि दी गई। दोपहर करीब 1:35 बजे आपातकालीन सायरन बजा। जिसके साथ ही मौजूद लोग हृदय विदारक उस हादसा को याद कर दहल उठे। सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन रखकर शहीद श्रमिकों के आत्म की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शहीद श्रमिकों के परिजनों ने शहीद बेदी पर पूजा अर्चना कर मोमबत्ती, दीया जलाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसके बाद सेल अधिकारियों, यूनियन नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा के कार्यक्रम को लेकर प्रबंधन व मृत श्रमिक के परिजनों की एक कमेटी बनाई गई थी। जिसकी देखरेख में कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस दौरान चारों धर्म के धर्म गुरुओं ने मंत्र उच्चारण कर आत्मा की शांति की प्रार्थना की। मौके पर सेल कापीलकट निर्देशक सेल विनीत कुमार राउत, मुख्य महाप्रबंधक कार्मिक संजय तिवारी, झरिया विधायक रागिनी सिंह, पूर्वी विधायक संजीव सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो,



था। यह घटना आज भी लोगों के जहन में बसा है। जिसे याद कर आज भी हृदय से दर्द होता है। उस वक्त इस्को कंपनी में घटना हुई थी। जिसमें मजदूरों ने अपनी जान गवाई थी। उनका बलिदान हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। कंपनी का उद्देश्य एक छटाक कोयला का उत्पादन भी किसी के एक बूंद खून से न हो। समस्या मुक्त, पूरी सुरक्षा के साथ उत्पादन करें। इस मौके पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो, झरिया विधायक रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह ने कहा इस घटना से हमें सीख लेने की जरूरत है। प्रबंधन ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसका ध्यान रखे। प्रबंधन सुरक्षा के साथ काम करें। किसी मां बहन और बेटी का संसार नहीं उजड़ें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में करणी सेना ने निकाली जन आक्रोश रैली



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बांग्लादेश में हिंदू समाज के लोगों पर लगातार हमले हो रहे हैं ,अत्याचार और हत्याएं हो रही हैं जिसको लेकर कुमारधुबी के एगारकुण्ड मोड़ से चिरकुंडा शहीद चौक तक करणी सेना के बैनर तले जन आक्रोश रैली निकाली गई। जिसमे सैकड़ों की संख्या में सनातनियों ने भाग लिया। हाथों में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद युनुस का पुतला लिए बांग्लादेश मुदाबाद के चारे लगाए गए। जन आक्रोश रैली चिरकुंडा शहीद चौक पहुंचते ही युवाओं ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद युनुस का पुतला दहन किया और बांग्लादेश के

खिलाफ विरोध जताया। करणी सेना के राष्ट्रीय मंत्री अमन सिंह ने बताया कि बांग्लादेश में सनातनियों के साथ अत्याचार शोषण किया जा रहा है लगातार वहां पर सनातनियों की हत्या की जा रही है। जिसे हम सभी सनातनी बर्दाश्त नहीं करेंगे इसके साथ ही लोगों में आक्रोश है । भारत के प्रधानमंत्री बांग्लादेश में रह रहे सनातनियों की रक्षा करें नहीं तो उसे सुरक्षित तरीका से भारत लाया जाए। समय रहते अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले समय पर हम सभी सनातनियों बांग्लादेश के बॉर्डर पर जाकर बांग्लादेश को इसका जवाब देने का काम करेंगे।

नव वर्ष को लेकर धनबाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर, दंडाधिकारी समेत सशस्त्र बल तैनात

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नव वर्ष के स्वागत एवं जश्न को लेकर पिकनिक स्थलों पर उमड़ने वाली सैलानियों की भीड़ को देखते हुए धनबाद जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का आदेश दिया है। इस बाबत धनबाद जिला प्रशासन ने प्रज जारी कर 2 जनवरी 2026 तक जिले के 13 पिकनिक स्पॉट पर सुरक्षाकर्मियों के साथ दंडाधिकारी प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया है। नए साल 2026 के अवसर पर धनबाद जिले के विभिन्न धार्मिक, पर्यटन एवं पिकनिक स्थलों पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। इस दौरान असामाजिक तत्वों की गतिविधियों, महिलाओं के साथ छेड़छाड़, अप्रभ टिप्पणियों एवं कानून-व्यवस्था की संभावित समस्या को रोकने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी, धनबाद द्वारा विशेष आदेश जारी किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए धनबाद के अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार जानकारी देते हुए कहा कि 25 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक धनबाद अनुमंडल क्षेत्र के प्रमुख पिकनिक स्थलों पर दंडाधिकारियों / पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

जैन पब्लिक स्कूल ने मनाया वार्षिकोत्सव

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जैन पब्लिक स्कूल में वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि बांके सिंह,संजय बैद,आलोक जैन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत नृत्य, संगीत, नाट्यन एवं क्षेत्रीय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। जैन मिशन के अध्यक्ष संजय बैद एवं सचिव आलोक जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि जैन पब्लिक स्कूल आने वाले पीढ़ी को बेहतर शिक्षा एवं संस्कार देकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सहयोग कर रहा है। मुख्य अतिथि श्री बांके सिंह ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।



किया।कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में राहुल सर,शंकर सर, अर्चना मैडम, प्रतिभा मैडम, सीमा मैडम, अंजली मैडम, नितीश सर, नितिश सर, इवॉन सर, सपना मैडम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर विपुल मेहता, चंदन बाटिया, सरोज जैन, सुनीता जैन, नितशा जैन, श्वेता जैन, रश्मि जैन, देशना जैन, खुशी जैन, आध्या जैन आदि उपस्थित रहे।

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन की अध्यक्षता एवं जिला सचिव मनू आलम के संचालन में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा को जबरन रद्द करने के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन जिला परिषद मैदान से पैदल मार्च निकलकर सड़क पर विरोध किया एवं केंद्र सरकार हाय हाय.मोदी तेरी मनमानी नहीं चलेगा। मनरेगा में महात्मा गांधी का नाम वापस लाओ..देश महात्मा गांधी का अपमान नहीं सहेगा। इसके बाद रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। बताते चले कि विगत दिनों केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा देश के बहुप्रतीक्षित योजन मनरेगा को जबरन रद्द क विकसित भारत -

गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)] योजना पास कर दिया गया,जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटा दिया गया है और देश के गरीबों का 100 दिन की रोजगार गारंटी को छिन्ने का काम किया है,जिसके विरोध में आज पूरे राज्य भर में झामुमो द्वारा विरोध एवं एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया धरना स्थल पर सभी वक्ताओं ने बारी-बारी संबोधन किया,जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार गरीब विरोधी एवं पूंजीपतियों की सरकार है, जो मनरेगा से बापू महात्मा गांधी का नाम हटाकर देश को अपमान करने का काम किया है और गरीबों का 100 दिन के रोजगार के गारंटी छिन्ने का काम किया है। जिला सचिव मनू आलम ने केंद्र सरकार

पर बरसते हुए कहा है भाजपा सरकार पिछले ग्यारह वर्षों में कोई विकास का काम नहीं कर पाया तो अब लोगों को दिग्भ्रमित करने के लिए सभी चीजों का नाम बदलने का काम कर रहे हैं और मनरेगा से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाकर पूरे देश को अपमानित करने का चिनीना काम किया। भाजपा सरकार का कभी योजनाओं का नाम बदल हाय हाय.मोदी तेरी मनमानी नहीं चलेगा। मनरेगा में महात्मा गांधी का नाम वापस लाओ..देश महात्मा गांधी का अपमान नहीं सहेगा। इसके बाद रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। बताते चले कि विगत दिनों केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा देश के बहुप्रतीक्षित योजन मनरेगा को जबरन रद्द क विकसित भारत -

चलाने में पूरी तरह विफल रहा,ये कोई विकास का काम नहीं कर पाते हैं,तो सिर्फ नाम बदलकर हमारे महापुरुषों का अपमान करने का काम कर रहे हैं और लोगों की काम,जमीन एवं नौकरियों छिन्ने और देश की संघर्षियों को बेचने की काम कर रहे हैं। मौके पर मुख्य रूप से केन्द्रीय सदस्य सह मिडिया पोनालिस्ट डॉ निताम मिश्रा,रमेश टुडू, जगू महतो,डब्लू मेहता,तस्लीम अंसारी, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह मन्गू चौहान,राजू प्रमाणिक, संसू अंसारी,नईम अंसारी ,मिहिर दत्ता, बंटी सिंह हरीस सिंह,यूवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सूरज महतो, राजू हाड़ी, रंजीत महतो,वरिष्ठ नेता मैराज खान,छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष आजाद महतो,,पवन माझी,इस्तीयाक अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।



संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने किया बोकारो इस्पात संयंत्र का भ्रमण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 27 दिसम्बर 2025 को झारखंड राज्य संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2023 बैच से चयनित 39 प्रशिक्षु अधिकारियों के शैक्षणिक परिभ्रमण के दौरान औद्योगिक प्रतिष्ठान भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत बोकारो इस्पात संयंत्र के भ्रमण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सभी पदाधिकारियों को बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में सैद्धांतिक ब्रीफिंग तथा मॉडल रूम विजिट के उपरांत प्लांट के कोल्ड रोलिंग मिल (सीआरएम) -03 विभाग का भ्रमण कराया गया तथा इस्पात उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई. बोकारो जिला प्रशासन की तर्फ से धनबाद जिला उद्योग केन्द्र बोकारो कैम्प कार्यालय के महाप्रबंधक श्री राजेंद्र प्रसाद एवं एलआरडीसी, बोकारो श्री पी दत्ता भी बोकारो इस्पात संयंत्र के भ्रमण के दौरान मौजूद थे. श्री शशांक शेखर,



सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) बोकारो इस्पात संयंत्र ने संयंत्र भ्रमण के कार्यक्रम का समन्वयन किया.

बीएसएल में 'सेल शाबाश योजना' के तहत सम्मान समारोह का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विभाग द्वारा बोकारो क्लब के सिनेमा एरीना में ह्रसेल शाबाश योजना के चयनित कर्मचारियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में



निदेशक प्रभारी, बोकारो स्टील प्लांट, श्री प्रिय रंजन उपस्थित रहे. उनके साथ इस अवसर पर अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ

पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. इसके पश्चात महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री प्रांजलि ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए 'सेल शाबाश योजना' की रूपरेखा, उद्देश्य तथा इसकी प्रासंगिकता पर

प्रकाश डाला. अपने संबोधन में निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने कहा कि सेल शाबाश योजना सेल की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन, निष्ठा एवं समर्पण का परिचय देने वाले

स्वताधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.जी. कॉर्पो. लि. के लिए भास्कर प्रिटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉर्पोरेट कॉलोनी, बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर-9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbntimesbihar@gmail.com